जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 151 प्रभात चूरू, बुधवार 28 सितम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गंभीर रुप से संकटग्रस्त गुआम किंगफिशर जल्दी ही गुआम के समीपवर्ती जंगलों में वापस आ जाएंगे। नेचर कंज़र्वैन्सी और फिश एण्ड वाइल्डलाइफ सर्विस के बीच सहभागिता से एक वैज्ञानिक मिशन की शुरुआत हुई है। योजना यह है कि, इन पक्षियों की अगले वर्ष वापसी की जाए, गुआम में नहीं, बल्कि पालमीरा एटॉल के जंगलों में, क्योंकि उनके सरवाइवल की यही एकमात्र उम्मीद है। गुआम किंगफिशर के लिए सब कुछ अच्छा था, पर तब तक ही, जब तक कि गुआम के जंगलों में संयोगवंश ब्राउन ट्री स्नेक का आगमन नहीं हुआ था। उसकी वजह से ना केवल यह प्रजाति, बल्कि गुआम के जंगल में रह रहे सभी पक्षी लुप्त हो गए। उसके बाद गुआम किंगफिशर, जिसे स्थानीय भाषा में सिहेक कहा जाता है, की रिकवरी का कार्यक्रम चलाया गया। जब तक गुआम के जंगलों में मंडराता, ट्री स्नेक्स का खतरा खत्म नहीं हो जाता तब तक के लिए उनके लिए ऐसी जगह ढूंढी जा रही है जहां वो आराम से रह सकें, हालांकि अंतिम लक्ष्य गुआम में इनकी वापसी ही है। पालमीरा एटॉल गुआम के पास ही है। एटॉल में इन पक्षियों को सफलतापूर्वक छोड़े जाने के बाद गुआम में इसी प्रकार के अन्य रिकवरी कार्यक्रमों की शुरुआत की जा सकती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण काम है अन्तः प्रजनन को रोकना, जो इन पक्षियों के जीवन काल पर प्रभाव डालता है। ज़ुओलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन के डॉ. जॉन एवन, जो सिहेक रिकवरी टीम के प्रमुख भी हैं, ने कहा कि हमारे पास इस पक्षी को जंगल में पुनः बसाने का अवसर है पर यह हमें सावधानी से करना होगा। टीम के समक्ष सबसे पहले 2020 में चुनौती आई थी जगह ढूंढने की। पहले इनके लिए कोको आइलैंड्स को चुना गया पर वहां भी ब्राउन ट्री स्नेक की आबादी मिली। इसके बाद पालमीरा एटॉल को चुना गया। पालमीरा में एक फायदा यह भी है कि यहां साइन्टिफिक रिसर्च स्टेशन भी है।

अजय माकन-खड़गे ने जयपुर की बगावत पर नौ पेज की रिपोर्ट दी सोनिया गांधी को

गहलोत के खास कारिन्दे, शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेन्द्र राठौड़ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की सिफारिश की

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। राजस्थान समाप्त होने में अभी समय लगेगा। अजय माकन कमेटी ने साफ तौर पर कह दिया है कि विद्रोह अशोक गहलोत के इशारे पर हुआ था तथा सब कुछ उनके निर्देश एवं देख-रेख में चला था।

सूत्रों का कहना है कि क्लीन चिट का प्रश्न ही नहीं है, जैसा कि अधिकांश राष्ट्रीय मीडिया तथा टी.वी. चैनल निष्कर्षतः कह रहे हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ ने आज अशोक गहलोत से दो बार बात की तथा उनसे इस्तीफा देने के लिये कहा, लेकिन समझा जाता है कि उन्होंने यह बात मानने से इंकार कर दिया।

तद्नुसार, वे बड़े नेता, जो 90 से अधिक विधायकों की परेड करा रहे थे, मुश्किल स्थिति में हैं तथा इस पेचीदा स्थिति से नहीं निकल पा रहे हैं।

बताया जाता है कि सोनिया गांधी उस रात की घटनाओं से बहुत अशांत एवं व्यथित हैं क्योंकि वे गहलोत पर आँख बंद कर के विश्वास करती थीं तथा उन्होंने पार्टी की बागडोर उन्हें सौंपने का मानस बना लिया था।

- **अब गौरतलब बात यह है कि, क्या गहलोत अपने खास कारिन्दों के साथ खड़े रहेंगे या उनकी बलि चढ़ाकर आगे बढ़ेंगे।**
- **कारिन्दों के खिलाफ कार्यवाही, सीधे मु.मंत्री के खिलाफ कार्यवाही मानी जाती है और वैसे भी रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि, उस रविवार की रात का सारा ड्रामा गहलोत के निर्देश पर तथा उनकी निगरानी में खेला गया था।**
- **पर, दूसरी ओर उच्च स्तरीय सूत्रों के अनुसार मंगलवार को दिन में दो बार कमलनाथ ने गहलोत से बात की तथा इस्तीफा देने की सलाह दी, पर गहलोत राय स्वीकार करने की मनःस्थिति में नहीं थे।**
- **वरिष्ठ नेता व ए.आई.सी.सी. की अनुशासन समिति के अध्यक्ष ए.के. एंटनी को दिल्ली बुलाया गया है और अनुशासन कार्यवाही तय करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है।**

सूत्रों ने कहा कि यह सोनिया के लिये पीठ में छुरा भौंकने जैसा कृत्य है।

अजय माकन तथा खड़गे ने अपनी 9 पृष्ठों की रिपोर्ट सोनिया गांधी के पास भेज दी है जिसमें गहलोत को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में नामित किया गया है जिन्होंने इसे पूरे घटनाक्रम को उकसाया तथा उन्हें दोषमुक्त नहीं माना जा सकता।

माकन जब सोनिया गांधी से मिले तो उन्होंने सोनिया से यह बात कह दी तथा इसे अपनी रिपोर्ट में भी अंकित कर दिया।

गहलोत के दाँये तथा बाँये हाथ माने जा रहे लोग जो विधायकों को बहकाने तथा प्रलोभन देने में सक्रिय रहे, के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा कर दी गई है। ये हैं- शान्ति धारीवाल, महेश जोशी तथा धर्मेन्द्र राठौड़, जो गहलोत के मनी बैग हैं।

देखना यह है कि गहलोत इस सब पर किस प्रकार प्रतिक्रिया देते हैं। क्या वे उन लोगों के साथ खड़े रहेंगे, जो उनके निर्देशों पर काम कर रहे थे या उनकी कुर्बानी देंगे और आगे बढ़ जायेंगे।

वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी, जो ए.आई.सी.सी. की अनुशासन समिति के अध्यक्ष हैं, आज रात दिल्ली पहुँच रहे हैं तथा उसके बाद ही, गहलोत के इन समर्थकों के खिलाफ कार्यवाही शुरु होगी।

इस बीच, सचिन पायलट आज शाम दिल्ली पहुँचे क्योंकि अब कार्यवाही का स्थल दिल्ली हो गया है। समझा जाता है कि पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा जो इस पूरे घटनाक्रम में खामोश बने रहे थे तथा अशोक गहलोत के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे, भी हटाये जाने वालों की कतार में हैं।

पहले भी कई बार कई मु.मंत्रियों ने इस्तीफा देकर कांग्रेस अध्यक्ष पद संभाला है

गत पचहत्तर साल में से 42 साल गांधी परिवार के पास रहा है अध्यक्ष पद

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। वस्तुस्थिति यह है कि अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हो गये हैं लेकिन भारत की इस शानदार अतीत वाली पार्टी में ऐसे कई पूर्वोदाहरण है, जब कार्यरत मुख्यमंत्रियों ने राज्य की जिम्मेदारी को छोड़कर, संगठन के सर्वोच्च पद का दायित्व ग्रहण किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद आजादी के बाद के पिछले 75 वर्षों में कुल मिलाकर 42 वर्ष गांधी परिवार के पास रहा है तथा गैर-गांधी नेताओं के पास यह पद 33 वर्ष रहा है। सीताराम केसरी ऐसे अंतिम गैर-गांधी नेता थे, जिन्होंने शरद पवार तथा राजेश पायलट को चुनाव में हराकर 1997 में कांग्रेस अध्यक्ष पद संभाला था।

सोनिया गांधी ने पार्टी अध्यक्ष का पदभार 1998 में ग्रहण किया था तथा वे इस पद पर, 2017 से 2019 तक की अल्पावधि के अलावा लगातार बनी हुई हैं। ज्ञातव्य है कि 2017 से 2019 तक राहुल गांधी इस पद पर रहे थे। 1948 के बाद बने 16 कांग्रेस अध्यक्षों में से पाँच अध्यक्ष गांधी परिवार से रहे हैं। इसमें से सबसे ज्यादा लम्बे समय तक पार्टी अध्यक्ष रहने वाली सोनिया गांधी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष रहे गैर-गांधी नेताओं में शामिल प्रमुख नाम हैं- नीलम संजीवा रेड्डी, जगजीवन राम, शंकर दयाल शर्मा, देवकांत बरुआ तथा पी.वी. नरसिम्हा राव।

- **निजलिंगप्पा ने कर्नाटक के मु.मंत्री पद से त्यागपत्र देकर 1968-69 में कांग्रेस के अध्यक्ष की जिम्मेवारी संभाली थी।**
- **1954 में प्र.मंत्री प. नेहरू ने सौराष्ट्र के मु.मंत्री ढेबर भाई को सौराष्ट्र से बुलाकर कांग्रेसाध्यक्ष पद संभलवाया था।**
- **इसी प्रकार 1963 में तमिलनाडू के मु.मंत्री का पद छोड़कर के. कामराज ने दिल्ली आकर कांग्रेसाध्यक्ष की जिम्मेवारी संभाली थी।**

पार्टी अध्यक्ष बनने के लिये मुख्यमंत्री पद छोड़ देने वालों में कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री एस. निजलिंगप्पा (1968-69) भी शामिल हैं। लेकिन यह एक ऐसा निर्णय था, जिसका उन्हें अफसोस रहा। जैसा कि निजलिंगप्पा ने अपनी आत्मकथा "माइ लाइफ एंड पॉलिटिक्स" में लिखा है: "कई कारणों से, मुझे उस निर्णय पर आज भी अफसोस होता है। अगर मैं मैसूर का मुख्यमंत्री बना रहता तथा मैंने (अध्यक्ष पद की) दुर्वह जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं किया होता, तो हर नजरिये से मेरे लिये बेहतर रहता।" बहुत वर्ष पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री यू.एन. ढ़ेबर को 1954 में कांग्रेस अध्यक्ष बनाया था। जहाँ तक ढ़ेबर का मामला है, उस समय यह सुविदित था कि सौराष्ट्र का बम्बई में विलय हो जायेगा और 1956 में ऐसा हो भी गया था।

तमिलनाडु के के. कामराज भी 1963 में मुख्यमंत्री पद छोड़कर कांग्रेस अध्यक्ष बने थे तथा उन्होंने मुख्यमंत्री पद एम. भक्तवत्सलम को सौंप दिया था। उल्लेखनीय है कि कामराज तमिलनाडु के अंतिम कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे।

'इस्तीफे स्वीकारने ही होंगे'

जयपुर, 27 सितम्बर (का.सं.)। प्रदेश चल रहे सियासी संकट के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि इस समय राजस्थान में प्रशासनिक, वैधानिक और संवैधनिक तीनों प्रकार के संकट पैदा हो गए हैं। संवैधानिक संकट यह है कि विधानसभाध्यक्ष (स्पीकर) को विधायकों ने इस्तीफे सौंपे हैं, ऐसे में इन इस्तीफों को स्वीकार करने के अलावा उनके पास और कोई रास्ता नहीं बचा है। अगर वो इस्तीफे स्वीकार नहीं करते हैं तो यह नियमों का उल्लंघन होगा। तिवाड़ी ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने आलाकमान के खिलाफ रोष प्रकट करने का माध्यम स्पीकर को जरिया बनाया है। स्पीकर के पास अगर

- **वरिष्ठ भाजपा नेता घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि, अगर स्पीकर को इस्तीफा भेजा जाता है तो, नियमानुसार उन्हें इस्तीफे स्वीकारने ही पड़ेंगे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मौखिक व लिखित रिपोर्ट में इतना फर्क क्यों है?

खड़गे ने अपनी रिपोर्ट में कहा बताया कि, गहलोत की "बगावत" में कोई भूमिका नहीं थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बुधवार को दिल्ली जाने और वहां पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को यह समझाने की उम्मीद है कि उनके धुर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को उनके स्थान पर मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं के खिलाफ उनके समर्थकों द्वारा विद्रोह का झण्डा उठाने में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

यही नहीं गहलोत पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भी भर सकते हैं, बशर्ते पार्टी नेतृत्व की ओर से उन्हें यह संकेत मिल जाए कि उनकी संभावनाओं को समाप्त करने के लिए किसी और व्यक्ति को पार्टी का आधिकारिक प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा।

स्थिति मंगलवार को तब बदली जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोनिया को एक लिखित रिपोर्ट देकर मामले की एक बेहतर छवि पेश की। इसमें तर्क दिया गया कि पार्टी विधायकों द्वारा त्याग पत्र देने की धमकी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन वह इस बात से संतुष्ट हैं कि गहलोत की विद्रोह में कोई भूमिका नहीं थी। एक अलग परिदृष्य तब उभरा जब सोनिया गांधी ने खड़गे और राजस्थान में ए.आई.सी.सी. के प्रभारी महासचिव अजय माकन, दोनों से रिपोर्ट मांगी थी। माकन और खड़गे को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित की जाने वाली

- **गहलोत बुधवार को दिल्ली जाकर अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे, सोनिया गांधी के सामने।**
- **अंबिका सोनी ने भी खड़गे से बात करके अपना निर्णय सुनाया कि, गहलोत निर्दोष हैं।**
- **अगर गहलोत के निर्दोष होने की कहानी स्वीकार हो जाती है तो वे कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये हाई कमान के उम्मीदवार हो सकते हैं।**
- **पर, ए.आई.सी.सी. का एक इतना ही सशक्त वर्ग गहलोत को उम्मीदवार बनाने के सख्त खिलाफ है। उनका तर्क है, जो मु.मंत्री के रूप में अपने समर्थकों को नहीं संभाल पाया, वो अखिल भारतीय स्तर पर ऐसी स्थिति का कैसे सामना करेगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलैक्ट्रिक कार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। चीन का घरेलू इलैक्ट्रिक कार मार्केट वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष देश में खरीदी गई करीब एक चौथाई नई कारें इलैक्ट्रिक या प्लग इन हाईब्रिड होंगी। चीन में इतनी इलैक्ट्रिक कारें बेची जाएंगी जितनी शेष दुनिया में मिलाकर भी नहीं बेची जाएंगी।

- **चीन का घरेलू इलैक्ट्रिक कार बाजार तेजी से बढ़ रहा है। पूरे विश्व की तुलना में चीन में सबसे ज्यादा इलैक्ट्रिक कारें बिकी हैं।**

कुछ अनुमानों के अनुसार प्रतिद्वंदी टैस्ला और जर्मन ऑटोमेकर्स की तुलना में तीन सौ से अधिक चाइनीज़ कम्पनियां 5 हजार डॉलर से कम और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक दल की समानांतर बैठक के लिए मुख्यमंत्री के नजदीकी धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस

माकन और खड़गे की रिपोर्ट में मु.मंत्री गहलोत की भूमिका पर सवाल, लेकिन लिप्त होने के प्रमाण नहीं, इसलिए नोटिस नहीं दिया गया

जयपुर, 27 सितम्बर (का.प्र.)। आलाकमान की ओर से गत 25 सितंबर को जयपुर में बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक के समानांतर बैठक कर मुख्य बैठक का बहिष्कार करने तथा इस मामले में प्रमुख भूमिका निभाने वाले संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खास आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस आलाकमान की ओर से प्रभारी महासचिव अजय माकन तथा पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे की रिपोर्ट के आधार पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इस नोटिस का जवाब 10 दिन में मांगा गया है और संतुष्ट नहीं होने पर आलाकमान इन तीनों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नंबर दो शांति धारीवाल और नंबर 3 मुख्य सचेतक महेश जोशी सहित उनके लिए लगातार काम करने वाले धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि प्रभारी अजय माकन और पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे की रिपोर्ट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भूमिका पर सवाल तो उठाए गए हैं, लेकिन उनका सीधे तौर पर शामिल होने के कोई सबूत नहीं होने के कारण उन्हें नोटिस नहीं दिया गया है। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल पर विधायकों को एकजुट रखने का जिम्मा है और यदि वही अपने घर पर समानांतर बैठक बुला रहे हैं, तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जरुरत समझी गई।

- **धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेन्द्र राठौड़ को नोटिस का जवाब देने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है।**
- **आलाकमान द्वारा बुलाई गई बैठक के समानान्तर विधायकों की मीटिंग करने में धारीवाल, जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ की प्रमुख भूमिका मानी गई है, इनमें से राठौड़ ही हैं जो विधायक नहीं हैं फिर भी इस मीटिंग में अति सक्रिय थे, वे आर.टी.डी.सी. के चेयरमैन हैं।**

वहीं मख्य सचेतक महेश जोशी का काम सभी विधायकों को विधायक दल की बैठक के आयोजन की जानकारी देने के साथ ही बैठक में बुलाने का जिम्मा है, लेकिन मुख्य सचेतक ने विधायकों को सूचना देना तो दूर, खुद भी बैठक का बहिष्कार किया और संसदीय कार्य मंत्री के घर हुई समानान्तर बैठक में मौजूद रहे। इस कारण वह भी अनुशासनात्मक कार्यवाही के दायरे में आ गए हैं।

मुख्यमंत्री के बेहद खास और आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ विधायक नहीं है इसके बावजूद भी संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के सरकारी निवास पर होने वाली समानांतर विधायक दल की बैठक में वे ना सिर्फ मौजूद रहे, बल्कि बैठक के बाद विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी जोशी के निवास पर बस में बैठाकर ले जाने के समय विक्ट्री साइन दिखाते हुए भी नज़र आए। ऐसे में प्रभारी महासचिव अजय माकन और पर्यवेक्षक मकार्जुन खड़गे की ओर से माना गया कि विधायकों को यहां लाने और ले जाने की व्यवस्था में धर्मेंद्र राठौड़ की भी प्रमुख भूमिका रही है। ऐसे में उन पर भी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की सिफारिश करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दिल्ली पर नियंत्रण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। पांच जजों की एक संविधान बैंच ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं को लेकर केन्द्र और दिल्ली सरकार की शक्तियों के संबंध में आगामी 9 नवम्बर से दिन-प्रतिदिन की सुनवाई नियत की है।

- **राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न सर्विसेज़ पर नियंत्रण को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार के बीच विवाद के मुद्दे पर 5 सदस्यों वाली संविधान बैंच 9 नवम्बर से हर रोज़ सुनवाई करेगी।**

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि "जैसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कला का अंतिम और सर्वोच्च ध्येय सौंदर्य है। –गेटे

पत्रकारिता विश्वविद्यालय से छात्रों का मोह भंग

अब यह सवाल पूछने का समय आ गया है कि जब ठीक से नहीं चलाये जा सकते हैं तो विश्वविद्यालयों जैसे उच्च शिक्षा के संस्थान सरकार क्यों ताबड़-तोड़ स्थापित करती चली जाती है। शिक्षा के मंदिरों को अपवित्र करने का सत्ता में बैठे राजनेताओं को क्या अधिकार है? ऐसे हालात में मूल्य आधारित पत्रकारिता को उत्कृष्ट स्तर पर ले जाने के ध्येय से स्थापित हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की दुर्गति देखना और भी अधिक दुखदायी है। विश्व विद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध नए शिक्षा सत्र के लिए भर्ती हुए छात्रों की सूचियां इस त्रासदी की कहानी कहती हैं। विश्वविद्यालय मे पांच स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों –'प्रिन्ट मीडिया', 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया', 'मीडिया संगठन, विज्ञापन एवं जनसम्पर्क', 'सोशल मीडिया, और विकास-संचार', 'सामाजिक कार्य एवं एनजीओ'– की व्यवस्था है और प्रत्येक के लिए तीस-तीस सीटें निर्धारित हैं। मगर इस साल 'इलेक्ट्रानिक मीडिया' के पाठ्यक्रम में केवल सात, 'प्रिन्ट मीडिया', 'सोशल मीडिया और विकास-संचार, सामाजिक कार्य एवं एनजीओ' पाठ्यक्रमों में छह-छह तथा 'मीडिया संगठन,विज्ञापन और जनसम्पर्क' में केवल चार छात्रों ने एडमिशन लिया है। यह विश्वविद्यालय स्नातक कक्षाएं भी चलाता है जिसमें 120 सीटें है मगर इस बार इसमें केवल 21 छात्रों ने दाखिला लिया है। इनके अलावा यहां बीस-बीस सीटों के 'ब्रॉडकास्ट जर्नलिज़्म', 'फोटोग्राफी, और डेस्कटॉप पब्लिशिंग के तीन पीजी डिप्लोमा कोर्स और तीस सीटों वाला ग्राफिक्स एवं एनीमेशन का डिप्लोमा कोर्स भी है। इनके अलावा बीस सीटों वाला वीडियो एडिटिंग तथा तीस-तीस सीटों के व्यावहारिक हिन्दी, फंक्शनल इंग्लिश और विकास संचार के सर्टिफिकेट कोर्स भी यहां है। कैसी विडंबना है कि इन कोर्सों में किसी में भी कोई दाखिला लेने नहीं आया है। यह हाल उस संस्थान का है जिसके पीछे सरकार की ताकत है और जिसकी फीस बहुत ही मामूली है जिसमें कमजोर तथा आरक्षित श्रेणी के छात्रों के लिए शिक्षण शुल्क में पूरी छूट है। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था जिससे और तो कोई सबक नहीं लिया गया, केवल प्रवेश के लिए आवश्यक मेरिट परीक्षा की व्यवस्था नहीं लागू की गई। निर्धारित एक घंटे की 100 अंकों वाली प्रवेश परीक्षा जिसका विस्तृत पाठ्यक्रम बना हुआ है उसे पिछले सत्र में प्राप्त आवेदन और प्रवेश प्रतिशत तथा विद्यार्थियों की अत्यंत कम संख्या को देखते हुए नहीं कराने काइस विश्वविद्यालय को फैसला लेना पड़ा। ऐसा विश्वविद्यालय की विवरणिका में लिखा है।

पिछली बार इसी नाम का विश्वविद्यालय सरकार बदलने के बाद यह कहते हुए ही बंद किया गया था कि इस पर होने वाले खर्चों के मुकाबले बड़ी संख्या में छात्रों को फायदा होता नहीं दिख रहा है। वे ही स्थितियां फिर पैदा हो रही है। यह जानने के लिए किसी बड़े अनुसंधान की भी आवश्यकता नहीं है कि नया सरकारी विश्वविद्यालय की जड़ें जमें उससे पहले शैशव काल में ही वह पंगु हो कैसे हो गया। पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के इस नये संस्थान के भवन निर्माण की आधारशिला रखते हुए मुख्यमंत्री ने उसे अपना सपना बताया था। यह विश्वविद्यालय अपने परिचय में अभिमान से कहता है कि मीडिया और जनसंचार के लगातार बढ़ते हुए आकार, विविधता और अर्थ-बहुलता के दौर में राजस्थान सरकार द्वारा हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वऔविद्यालय (एचजेयू) की स्थापना को एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण क़दम के रूप में याद रखा जाएगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये राज्य विधानसभा में पारित कानून में इसका उद्देश्य अध्यापन, प्रशिक्षण और अनुसंधान के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय को विकसित करना बताया गया। अब यह कितना याद रखा जाएगा और अपना कितना राष्ट्रीय स्वरूप बना पायेगा यह तो भविष्य के गर्भ में है किन्तु आज हालत यह है कि तीन साल पहले स्थापित हुए इस विश्वविद्यालय की तरफ छात्र आकर्षित नहीं हो रहे हैं।

जिस प्रकार एक मैडिकल विश्वविद्यालय के साथ अस्पताल जरूर जुड़े होते हैं उसी प्रकार पत्रकारिता और जनसंचार के पेशे की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए मीडिया संस्थान इससे औपचारिक रूप से जुड़ें हों इस जरूरत पर कभी किसी ने नहीं सोचा। ऐसे में इस विश्वविद्यालय में दाखिल लेने छात्र क्यों कर आयें!

विश्वविद्यालय का यह हाल इसलिए हुआ है कि वह राजनीति की बिसात पर मोहरा बन कर ही स्थापित हुआ। इसके पीछे वाह-वाही लूटने के अलावा कोई सोच नहीं थी। यदि कोई सोच होती तो उसका कानून सभी हितधारकों, खासकर मीडिया, जनसंचार एवं विकास के गैर-सरकारी संगठनों के साथ विमर्श कर के हुआ होता। सरकार ने उसी कानून की प्रतिलिपि तैयार कर विधानसभा में पास करवा ली जिसके तहत पिछली बार विश्वविद्यालय की दुर्गति हुई। वास्तव में इसकी स्थापना पिछली बीजेपी सरकार के फैसलों को बदलने के राजनैतिक कदमों के रूप में हुई। इतना जरूर हुआ कि पिछली बार की तरह इस बार भी पहला कुलपति मुख्यमंत्री की पसंद का कोई श्रमजीवी पत्रकार बनाया गया। उसे पुराने कानून का ढांचा दिया गया और पुरानी फेकल्टी का ऐसा तंत्र दिया गया जो पेशेवर पत्रकारिता और जनसंचार के किताबी ज्ञान की सुविधा क्षेत्र में ही नहीं बने रहना चाहता था बल्कि अपनी सुरक्षित सेवा के कारण अकड़ू भी था। बहुतों को आश्चर्य भी हुआ था कि नये विश्वविद्यालय में जब शिक्षकों की स्थाई नियुक्तियां ही नहीं हुई है तो यह फेकल्टी कहां से आ गई। विश्वविद्यालय नया था मगर शिक्षक पुराने थे। उनका चयन इस नए विश्वविद्यालय ने नहीं किया था। इसमें भी अजीब गोरखधंधा सामने आता है। ये स्थाई शिक्षक वे हैं जिनकी नियुक्तियां इसी नाम से पहले बनाए गए विश्वविद्यालय के दौरान हुई थी जो बाद में बंद कर दिया गया। जब इस नाम का पुराना विश्वविद्यालय विधानसभा में कानून पास करके बंद किया गया तब इन शिक्षकों को राजस्थान विश्वविद्यालय में भेज दिया गया भले ही उनकी नियुक्तियां उस विश्वविद्यालय ने नहीं की थी जहां उन्हें भेजा गया। राजस्थान विश्वविद्यालय के कानून में ऐसी कोई वैधानिक व्यवस्था भी नहीं है जिसमें उसके द्वारा चयननहीं किए गये शिक्षक वहां नियुक्त किए जा सकें। परंतु यह राठोड़ी हुई। जब पुराने नाम से नया विश्वविद्यालय बनाया गया तब नए कानून में लिख कर उनका स्थानांतरण राजस्थान विश्वविद्यालय से इस नए विश्वविद्यालय में कर दिया गया जिसने भी उनका चयन नहीं किया था। मेहरबान सरकार इन शिक्षकों की नौकरियों को बचाते हुए विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर निर्मम प्रहार करती रही। इतना ही नहीं हर नए संस्थान में पिछले संस्थान में उनकी सेवा का काल जुड़ता रहा है जिससे वे आगे करियर एडवांसमेंट योजना में पदोन्नति पाते रहेंगे। ऐसे तबादले सरकारी विभागों में होते हैं। मगर विश्वविद्यालय सरकारी विभाग नहीं होते, उनकी अपनी स्वायत्तता होती है। भले ही सभी विश्वविद्यालय फैकल्टी की भर्ती के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित योग्यताओं और मानदंडों की पालना करते हैं किन्तु प्रत्येक विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करता है और अपनी चयन समिति के जरिए विभिन्न स्तर के शिक्षकों का चयन तथा उनकी नियुक्तियां करता है। ऐसा नहीं होता है कि किसी अभ्यर्थी का चयन एक विद्यालय करे और चयनित हुए की नियुक्ति किसी और विश्वविद्यालय में हो जिसने उनका चयन नहीं किया था। विश्वविद्यालयों के शिक्षकों का चयन किसी कॉमन सलेक्शन प्रोसेस से भी नहीं होता। प्रत्येक विश्वविद्यालय की अपनी प्रक्रिया होती है। मगर जब विश्वविद्यालयों का निर्माण दलगत राजनीति के अखाड़े के पहलवान करें तब ऐसा ही होता है। विश्वविद्यालयों की बदली के समय यदि उन्हें फिर से नए विश्वविद्यालय की चयन समिति के सामने जाना पड़ता तो संभव है कुछ की अलमारियों से कुछ कंकाल मिलते। कंकाल का एक मामला इसलिए खुल गया कि किसी ने एक करामाती शिक्षक की शिकायत कर दी थी। उस शिकायत पर विधिवत स्वतंत्र जांच हुई, शिक्षक को सुना गया और जांच में फैसला उसकी सेवाएं समाप्त करने का आया। अब इस नए विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड की बैठक इसलिए टाली जा रही है ताकि उस शिक्षक को फिर से सुनवाई का मौका देकर हुई जांच की रिपोर्ट उसमें नहीं रखी जा सके। छात्रों से बात करें तो पता चलता है कि इस विश्वविद्यालय में यदि कुछ समझदारी की पढ़ाई हो रही है तो वह वहां लगायी गई एडजंक्ट.फ़ैकल्टी से हो रही है। मगर स्थाई फ़ैकल्टी के लोग एडजंक्ट.फ़ैकल्टी को अपना दुश्मन जैसा मानते हैं। पिछले विश्वविद्यालय से आई फ़ैकल्टी की राजनीति करती भी इस नए विश्वविद्यालय को ऐसा नहीं बनने दे रही है जैसा मुख्य मंत्री का सपना है या इसके उद्देश्यों में कहा गया है। कक्ष में एक छात्रा के साथ साथी छात्र की बार बार बदतमीजी के एक मामले ने जब तूल पकड़ लिया तब उद्दंड छात्र को बचाने का आरोप लगते हुए छात्रों ने भारी सभा में स्थाई फेकल्टी के लिए जो कहा उसे सबने सुना। इसी के चलते जब नई कुलपति ने जब कक्षाओं और शिक्षा परिसर में सीसी टीवी के कैमरे लगाने का फैसला सुनाया तो सबसे अधिक विरोध स्थाई फ़ैकल्टी की तरफ से ही हुआ क्योंकि कैमरे लग जाने से यह भी सामने आ जाएगा कि शिक्षक कैसी कक्षाएं ले रहे हैं।

राजस्थान में पत्रकारिता के शिक्षण की राजस्थान विश्व विद्यालय में एक श्रमजीवी पत्रकार डॉ. भंवर सुराणा ने नींव रखी थी जिसे बाद में डॉ. संजीव भानावत ने संसाधनों की मुश्किलों के बावजूद एक ऊंचे दर्जे का विभाग बना कर खड़ा कर दिया। देश का कोई ऐसा कोना नहीं होगा जहां वहां शिक्षा पाकर पहुंचे विद्यार्थी अपना नाम नहीं कमा रहे हों। उसे मजबूत करने की बजाय नया विश्वविद्यालय खोलने की राजनीति ने किसी का भला नहीं किया है यह विश्वविद्यालय देश के ही क्यों राजस्थान के मीडिया और जनसंचार संस्थानों से भी बेगाना बना हुआ है। जिस प्रकार एक मेडिकल विश्वविद्यालय के साथ अस्पताल जरूर जुड़े होते हैं उसी प्रकार पत्रकारिता और जनसंचार के पेशे की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए मीडिया संस्थान इससे औपचारिक रूप से जुड़ें हों इस जरूरत पर कभी किसी ने नहीं सोचा। ऐसे में इस विश्वविद्यालय में दाखिल लेने छात्र क्यों कर आयें!

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

"आदि महोत्सव"- 2022 कोटड़ा का रंगारंग आगाज

देश-प्रदेश की सांस्कृतिक झलक देख अभिभूत हुए पर्यटक

उदयपुर, (कासं)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध संस्थान एवं पर्यटन विभाग के तत्वावधान में जिले के सुदूर आदिवासी अंचल कोटड़ा ब्लॉक में 'आदि महोत्सव'– 2022 कोटड़ा का आगाज धूमधाम से हुआ। संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने विधिवत रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर इस रंगारंग महोत्सव का आगाज किया।

- **भारत की विविधता में एकता का साक्षी बना 'आदि महोत्सव'**
- **पश्चिम बंगाल के नटुआ नृत्य, ओडिशा के सिंगारी नृत्य, गुजरात के राठवा नृत्य, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौवटे नृत्य तथा मध्यप्रदेश के गुटुम्ब बाजा नृत्य की प्रस्तुतियों को दर्शक एकटक निहारते रहे**

''आदि महोत्सव'' के पहले दिन भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों ने नृत्य की सामूहिक प्रस्तुती दी।

पर्यटन के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले उदयपुर में आयोजित यह आदि महोत्सव भारत की विविधता में एकता की विशेषता का साक्षी बना। इस महोत्सव में मेवाड़ की लोक संस्कृति के साथ भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध किया। भारत के विभिन्न प्रांतों से आए लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक लोक वाद्य यंत्रों एवं अपने प्रदेश की पौराणिक कथाओं व संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति से माहौल को रंगीन बना दिया।

समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा उदयपुर सांसद अर्जुन लाल मीणा. झाडोल विधायक बाबूलाल खराडी, समाजसेवी लालसिंह झाला, लक्ष्मीनारायण पंड्या, सुनील भजात, रामलाल गाडरी सहित विभिन्न स्थानीय जनप्रतिनिधि विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं देश विदेश से आए पर्यटक मेहमान और बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे। महोत्सव में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने अपने क्षेत्र की उत्सवी परम्पराओं और संस्कृति को समेटे नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को देश के गौरवशाली इतिहास का परिचय कराया। इस दौरान पश्चिम बंगाल के नटुआ नृत्य, ओडिशा के सिंगारी नृत्य, गुजरात के राठवा नृत्य, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौवटे नृत्य तथा मध्यप्रदेश के गुटुम्ब बाजा नृत्य की प्रस्तुतियों को दर्शक एकटक निहारते रह गए और भारतवर्ष की विभिन्न परम्परागत नृत्यशैलियों को देख स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। इस दौरान राजस्थान के पारंपरिक गैर नृत्य, घूमर नृत्य, स्वांग व भवई सहित आदिवासी व जनजाति क्षेत्रों के पारंपरिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई।

कार्यक्रम में आए अतिथियों और मेहमानों का तिलक लगाकर, माला पहनाकर व गुड खिलाकर स्वागत किया। अतिथियों और मेहमानों के आगमन के दौरान मुख्य द्वार से दोनों तरफ देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने अपने लोक संस्कृति का परिचय देते हुए अगवानी की। इस अवसर पर देशी-विदेशी पर्यटकों ने ठेठ देशी खाने यथा मक्का व बाजरे की रोटी, राबडी, साग आदि का जायका लिया और शुद्ध खाने का रसास्वादन कर रोमांचित हो उठे।

आदि महोत्सव में भारतीय लोक कला मंडल के सांस्कृतिक प्रकाशन रंगायन का विमोचन अतिथियों के हाथों किया गया। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर रस्साकसी, रुमाल झपट्टा, मटका दौड़ 50 मीटर सहित अन्य खेलों का आयोजन स्थानीय महिला पुरुषों व देशी विदेशी मेहमानों के लिए किया गया। इसके अलावा महोत्सव में पर्यटकों के लिए पानरवा में एडवेंचर स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग, ट्री वॉक एवं नाल सान्दोल में जीप लाइन, वोटर रोलिंग जैसे एड्वेंचर स्पोर्ट्स का भी आयोजन किया गया जिससे पर्यटकों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

उत्सव के तहत आयजनक गतिविधियों के लिए राजीविका कोटड़ा के 124 महिला समूहों को एक करोड पच्चीस लाख रुपए का क्रेडिट लिंकेज का चेक सौंपा। संभागीय आयुक्त सहित अन्य अतिथियों ने चेक सौंपते हुए महिला समूहों को बधाई दी। आदि महोत्सव के पहले दिन विदेशी पर्यटकों ने यहां पर जनजाति अंचल के व्यंजनों का लुत्फ उठाया और आदिवासी कला संस्कृति की झांकी देखकर मोहित हो उठे।

'अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं होने पर कोर्ट बचाव की पहल नहीं कर सकता'

- **वेतन विसंगति को लेकर दायर याचिका खारिज**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने वेतन विसंगति को लेकर एक कर्मचारी की ओर से चालीस वर्ष बाद दायर की गई एक याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि यह विधि का स्थापित सिद्धांत है कि यदि कोई अपने अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं है तो कोर्ट उसके बचाव की पहल नहीं कर सकता। अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सही समय पर बोलना पड़ता है न कि समय गुजर जाने के बाद।

बीकानेर निवासी आनंद शंकर को मई 1971 में जोधपुर विद्युत वितरण निगम में केज्यूअल लेबर लगाया गया। वर्ष 1974 में उसे हैल्पर सैकंड के रूप में नियमित कर दिया गया। पंद्रह वर्ष की संतोषजनक सेवा के बाद उसे पदोन्नत कर वर्ष 1991 में उसे एसएसए थर्ड ग्रेड प्रदान किया गया। इस बीच वर्ष 1974 में आनंद शंकर के जूनियर मोहम्मद हनीफ को वर्ष 1992 में हाईकोर्ट के आदेश से हैल्पर की ग्रेड 2 दे दी गई। इसे आधार बना आनंद शंकर की ओर से अपील दायर कहा गया कि उसे भी एक अप्रैल 1972 से हैल्पर की ग्रेड 2 प्रदान की जाए।

न्यायाधीश माथुर ने की सुनवाई :- न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि चालीस वर्ष से अधिक विलम्ब से याचिका दायर की गई है। स्वयं के रिटायर्ड होने के चार साल बाद अब उसे यह विसंगति याद आई। याचिकाकर्ता ने जिस मोहम्मद हनीफ का उदाहण दिया है, उसके साथ भी उसकी तुलना नहीं की जा सकती। उसका मामला पूरी तरह से अलग था। जांच में यह तथ्य सामने आया कि मोहम्मद हनीफ पहले से ग्रेड 1 में कार्यरत था।

पर्यटन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

लोक कलाकारों के दल ने कच्छी घोड़ी नृत्य सहित अन्य कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं

- **जिला कलेक्टर ने किया चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ**

बून्दी, (निसं)। विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष में मंगलवार को सुखमहल में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने शिरकत की। जिला प्रशासन, पुरातत्व विभाग एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लोक कलाकारों के दल ने कच्छी छोड़ी नृत्य सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर विदेशी मेहमानों का अतिथि सत्कार भी किया गया। पर्यटन विभाग द्वारा सुख महल पर आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों का बूँदी का पर्यटन साहित्य भेंट कर स्वागत किया गया। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पुरातत्व स्थलों रानीजी की बावडी, चौरासी खम्बों की छतरी सुखमहल में देशी-विदेशी पर्यटकों के नि:शुल्क प्रवेश की सुविधा रही।

चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ, चित्रकृतियों को मिली सराहना : विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सुखमहल परिसर में बूंदी ब्रश संस्थान के कलाकारों की ओर से बूंदी के पर्यटन स्थलों को लेकर लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी का जिला कलक्टर ने फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान जिला कलक्टर ने संस्थान के कलाकारों द्वारा प्रदर्शित चित्रकृतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नवम्बर माह में आयोजित 'बूंदी महोत्सव' में संस्थान के कलाकार अपनी बेहतरीन कला का प्रदर्शन कर बूंदी बाईपास पर चित्रकृतियां बनाकर इसे आकर्षक स्वरूप प्रदान करें।

चित्रकला प्रदर्शनी में सुनील जांगिड़, विजय सिंह सोलंकी, भवंर सिंह सोंलकी, प्रियांश सोनी, युक्ति शर्मा, वंशिका सिंह, तरू जैन, गार्गी श्रृंगी, किरण शर्मा, युवराज सिंह एवं नंद प्रकाश शर्मा 'नंजी' की चित्रकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर पूर्व राजपरिवार सदस्य वंशवर्धन सिंह, सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी, बलभद्र सिंह, बूंदी ब्रश संस्था अध्यक्ष सुनील जांगिड़, सचिव विजय सिंह, ओमप्रकाश 'कुक्की', पुरातत्व विभाग के जगदीश वर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बूंदी विकास समिति सदस्य पुरूषोत्तम लाल पारीक ने किया।

लम्पी ग्रस्त गायों के लिए काम कर रहा मूक बधिर विद्यालय

खाटूश्यामजी, (निसं)। खाटूश्यामजी-रींगस रोड पर स्थित मूक बधिर मंदबुद्धि आवासीय विद्यालय के संचालक निरंजन शर्मा द्वारा लम्पी बीमारी से ग्रस्त गायों के इलाज के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

संस्थान द्वारा पशु चिकित्सक लक्ष्मण सिंह बाजिया के दिशा निर्देशन में गायों के लिए आमजन को निशुल्क दवा वितरण की जा रही है। साथ ही चैन्नई धर्मशाला के पास गायों के लिए एक आईशोलेशन वार्ड भी बना रखा है जहां गायों को लाकर इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा आस-पास के गांवों में भी दवाई वितरित की जा रही है। विद्यालय के निदेशक निरंजन शर्मा ने बताया कि आईशोलेशन वार्ड में आवारा घूम रही ऐसी गाय जो लम्पी ग्रस्त हो गई हैं उनको लाकर इलाज किया जा रहा है। प्रतिदिन गौवंश को सेनेटाइजर से नहलाया जाता है तथा तीन चिकित्सकों टीम लगातार निगरानी रखे हुए हैं। इसके अलावा संस्थान द्वारा स्टाल लगाकर आस-पास के गांवों के लिए भी निशुल्क दवा की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि बहुत से किसान गायों के लम्पी बीमारी होते ही घर से बाहर छोड़ देते हैं। ऐसे में संस्थान ने नया कदम उठाते हुए मोबाइल टीम बनाई है जो उन लम्पी ग्रस्त गायों को घर घर जाकर इलाज करेगी। संस्थान के शर्मा ने बताया कि सैंकड़ों गायों को सतर्कता व दवाओं तथा इलाज से ठीक किया जा चुका है।

लम्पी बीमारी से ग्रस्त गायों का सैनिटाइजर से उपचार करती टीम।

राशिफल

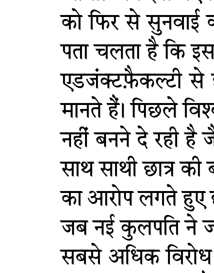

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 28 सितम्बर, 2022

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, स्वाती नक्षत्र गुरूवार प्रातः 5:52 तक, वैधृति योग रात्रि 3:06 तक, तैतिल करण दिन 1:58 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज शुक्र वृद्धत्व आरम्भ रात्रि 8:30 से होगा। आज वैधृति पूण्य है। आज से रवि उल अव्वल मु. मास 3 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:43 से 12:18 तक, चर 3:16 से 4:45 तक, लाभ 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:14

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यवसायिक संबंध बनेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक
धार्मिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां ने किया हॉस्पीटल का शिलान्यास

सादुलपुर, (निसं) राजस्थान क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष एवं सादुलपुर विधायक पदश्री डॉ. सिद्धमुख में मरूधरा सेवा संस्था ट्रस्ट द्वारा संचालित मरूधरा आई हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर का शिलान्यास किया। ट्रस्ट प्रबंधकों ने कहा कि अब सिद्धमुख में ही जयपुर दिल्ली जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी तथा करोड़ों रुपए की मशीनें लगेगी। विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने दोनों ही भामाशाहों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जमीन ट्रस्ट को तिलोकाराम सेठ ने दान की है, जो पूरे क्षेत्र के लिए खुशी की बात है। विधायक ने मनीष अग्रवाल का जिक्र करते हुए सिद्धमुख के दानदाताओं का आभार प्रकट किया। साथ ही मनीष अग्रवाल सीएचसी और सरकारी कॉलेज बना रहे हैं इनका भी जिक्र किया गया। इस अवसर पर धर्मवीर पचार एसएसएम हॉस्पीटल जयपुर, सरपंच महावीर प्रसाद जांगिड़, चौधरी करतार टांडी, राजेन्द्र प्रसाद सोनी, सरपंच रामसिंह कस्वा, बीडीसी प्रतिनिधि ठेकेदार राजेन्द्र खुडिया, पूर्व सरपंच रामकुमार सिहाग, ताम्बा खेड़ी सरपंच बलवीर मेहरा, गौवर्धन लाल सोनी, विनोद अग्रवाल, डॉ. संजय कुमार कुलडिया, ओमप्रकाश जांगिड़, संजय महला, जयवीर महला, मोहर सिंह रणवा, मानसिंह चाहर, मुन्शीराम देवर्थ, रामफल महला, ओमप्रकाश सुबेदार, राजगढ नगर अध्यक्ष पवन सैनी, ताराचन्द पूनियां, सिद्धमुख तहसीलदार बबीता ढिलो, सिद्धमुख एसएचओ दलीप कुमार घनघस, ट्रस्ट सदस्य दीपचन्द वैद्य, महेश कुमार इन्दोरिया, बंटी इन्दोरिया, असगर अली कुरेशी, एसएमएस होस्पीटल कार्मिक सतपाल किरोड़ीवाल आदि गाँव के प्रमुख नागरिक मौजूद थे।

मरूधरा आई हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर का शिलान्यास विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां ने किया।

भागवत कथा का शुभारंभ

रतनगढ़, (निसं)। सप्त दिवसीय संगीतमय भागवत कथा का शुभारंभ कलश शोभायात्रा से हुआ कलश यात्रा शिवाजी सेवा संस्थान बगीची से अशोक स्तंभ होते हुए श्री ताल वाले बालाजी मंदिर प्रांगण में आकर धर्म सभा में परिवर्तन हो गई। कलश यात्रा में सैकडों महिलाएं माथे पर मंगल कलश लिए संकीर्तन करते हुए चल रही थी। कलश यात्रा में भगवान श्री कृष्ण राधा की संजीव झांकी भी नृत्य करते हुए साथ चल रही थी। भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कथावाचक राधादासी कोमल किशोरी ने धर्मोपदेश दिया कि भागवत कथा भक्ति ,ज्ञान व वैराग्य का संगम है । यह मानव को निष्काम भक्ति के भाव से जोड़ती है । जब तक भगवान की कृपा जीव पर नहीं होती है, तब तक भागवत कथा नहीं हो सकती।अनेकानेक जन्मों का जब पुण्य उदय होता है तो कथा का आयोजन होता है।भागवत कथा अमृत पान करने से संपूर्ण पापों का नाश होता है इसको सुनने से मन के विकार दूर होकर मानव को सत्यमार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। कथा के दौरान मां भगवती की संजीव झांकी दिखाई गई।कथा शुरू होने से यजमान सुशील कुमार गौड़ ने सपत्नीक व्यास भागवतजी की पूजा की।

हमले में कार्रवाई की मांग

चूरू, (का.सं.)। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने राजकीय महाविद्यालय नागौर के शिक्षकों पर छात्रसंघ अध्यक्ष एवं उसके साथियों द्वारा जानलेवा हमले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए अविलम्ब कानूनी कार्रवाही की मांग की है।

संगठन के महामंत्री डॉ सुशील कुमार बिस्सू ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि 21 सितंबर को श्री बीआर मिर्धा राजकीय महाविद्यालय नागौर के असिस्टैंट प्रोफेसर जगदीश झींझा एवं अविनाश व्यास पर महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष वासुदेव बांता एवं उसके साथियों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। घटना के समय महाविद्यालय में परीक्षा चल रही थी, जिसमें विद्यार्थियों को नकल करने से रोकने पर महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष वासुदेव बांता द्वारा महाविद्यालय परिसर में शिक्षक साथियों को धमकी दी गई व उत्तर पुस्तिकाओं को पैक करने में व्यवधान डाला तथा वीडियो बनाकर परीक्षा की गोपनीयता को भंग करने का प्रयास किया। इस प्रकार उन्होंने राजकार्य में बाधा पहुँचाई।

कलश यात्रा 6 को

चूरू, (का. सं.)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के वरिष्ठ प्रतिनिधि रामसिंह राठौड़ ने कहा है कि भारतीय संस्कृति की जड़ गायत्री है। राठौड़ अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में चूरू गायत्री शक्ति पीठ में 6 से 9 अक्टूबर तक होने वाले 108 कुण्डीय नव चेतना जागरण श्री गायत्री महायज्ञ के संबंध में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। राठौड़ ने कहा कि गायत्री परिवार का मूल उद्देश्य व्यक्ति, परिवार और समाज निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा धर्म प्रेम है। राठौड़ ने कहा है कि अपने जीवन को यज्ञमय बनाएं। उन्होंने कहा कि उपदेश देना सरल है, लेकिन उसे जीवन में उतारना कठिन है। कार्यक्रम में राजेन्द्रसिंह शेखावत गायत्री परिवार सीकर ने बताया कि महिलाओं द्वारा संचालित होने वाला पहल यज्ञ है, जो चूरू में आयोजित होगा। शेखावत ने बताया कि 4 अक्टूबर को सायं 4 बजे इन्द्रमणि पार्क से गायत्री शक्तिपीठ तक विश्व शांति रैली निकाली जाएगी। इसी कड़ी में 6 अक्टूबर को दोपहर दो बजे गायत्री शक्तिपीठ से कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में 21 सौ कलश होंगे। यहां 7 अक्टूबर को 9 अक्टूबर तक प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक गायत्री महायज्ञ एवं विविध संस्कार सम्पन्न करवाएं जाएंगे। संत स्वामी डॉ. राघवाचार्य महाराज वेदांती अठापीठाधीश्वर रेवासा धाम का प्रवचन भी होगा।

'लोगों को योजनाओं का लाभ मिले'

चूरू, (का. सं.)। जिला स्तरीय बैंकर्स समिति एवं जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर सिहाग ने कहा कि बैंक अधिकारी कस्टमर फ्रेंडली बनें और यह सुनिश्चित करें कि सरकार की मंशा के अनुसार सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का लाभ आमजन को मिले। उन्होंने कहा कि उद्यमिता एवं रोजगार से जुड़ी अनेक योजनाएं बैंकों से जुड़ी हुई है। इसलिए जरूरी है कि बैंकों में इन योजनाओं के लाभार्थियों और विभागों को पूरा सपोर्ट मिले और योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन हो।

आम सूचना

मेरे पुत्र खेमचंद व मेरी पुत्रवधु माया खन्ना दोनों मेरे किसी प्रकार से कहे में नही है। मैं वर्तमान में गंभीर रूप से पीड़ित हूं, जिससे मुझे भारी मानसिक परेशानी दिन-रात हो रही है। इसलिए मैं इन दोनों को आज दिनांक 27 सितंबर 2022 से मेरी चल व अचल संपति से पूर्णरूप से बेदखल करता हूं।

भंवरलाल पुत्र महेश कुमार रैगर, वार्ड नं. 37 वर्तमान वार्ड 48, सरदारशहर जिला चूरू

नाम परिवर्तन

मेरे द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम से करवाई गई पॉलिसी संख्या 501730136 में भूलवश बोलता नाम RAJKUMAR CHAHAR अंकित दर्ज करवा दिया था, जबकि अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम RAJENDRA KUMAR अंकित है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावे। अगर दोनों नामों को लेकर भविष्य में कोई विवाद होता है, तो उसकी जिम्मेवारी मेरी होगी।

राजेन्द्र कुमार पुत्र भंवरलाल जाट, नैयासर, तहसील सरदारशहर।

नवरात्र में उमड़ रहा श्रद्धा का सैलाब

■ दुर्गा माता मंदिर में नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन शुरु

बीदासर, (निस)। शारदीय नवरात्रा के उपलक्ष मे कस्बे के नौखा रोड स्थित दूर्गा माता मंदिर मे मैढ़ क्षित्रय स्वर्णकार संघ नवरात्रा महोत्सव समिति व बाल नवयुवक मण्डल के संयुक्त तत्वावधान मे होने वाली दूर्गा पूजा 2022 का नौ दिवसीय शुरू हुये विशाल धार्मिक आयोजन के तहत सोमवार को रात्रि मे प्रथम दिन ही हुई भव्य ज्योत ज्वाला महाआरती मे महिलाओं की जमकर भीड़ उमडी। मंदिर प्रांगण महिलाओ से खचाखच भर गया। जिसके चलते पुरूषों व युवको को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती मे भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओ को प्रसाद वितरण किया गया।

महाआरती के बाद मंदिर पुजारी मनोज दाधीच ने बऊ धाम के पीठाधीश्वर संत रतीनाथ महाराज के भजनो की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ दी। मंगलवार की दोपहर तीन बजे यज्ञ आचार्य पं. केदारमल शास्त्री के सानिध्य मे 15 पण्डितों के वैदिक मंत्रौच्चार के साथ नौ कुण्डिय शतचण्डी महायज्ञ शुरू हुआ। जिसमे 15 पण्डितों के साथ मुख्य यजमान बनवारी लाल टांटिया, राजेश तुनगर, विनोद कुमार नारनोली, विमल तुनगर, अनिल कड़ेल, संपत नारनोली, औमप्रकाश मौसुण, विक्रम नारनोली, अमित नारनोली, कालीचरण सहित 18 जोड़ो ने एक साथ यज्ञ मे आहुतियाँ दी। इस दौरान मंदिर प्रांगण मे प्रातः दूर्गा सप्तशती का पाठ भी हुआ। महाआरती मे संघ के अध्यक्ष गणपत राम मौसुण, रामेश्वरलाल तुनगर, हड़मान मल सौनी, केशरीचंद सौनी, महेश कुमार टांटिया, जितेन्द्र सारस्वत सहित अनेक श्रद्धालुओ ने भाग लिया। वही कस्बे के वार्ड 6 स्थित श्रीराम चौक के बालाजी मंदिर के पास पण्डाल मे सोमवार से शुरू हुये दूर्गा पूजा महोत्सव मे रात्रिकालीन मे होने वाली महाआरती मे श्रद्धालुओ ने बढ़चढ कर भाग लिया।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन

चिड़ावा, (निसं)। महाराजा अग्रसेन जयंती के दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह अग्रसेन धाम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर सेशन न्यायाधीश महावीर गुप्ता थे। विशिष्ट अतिथि वाइस चांसलर श्रीधर यूनिवर्सिटी ओम प्रकाश गुप्ता, अठावाल समिति महासचिव अनुज भगेरिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर कृष्ण मुरारी मोदी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अठासेन के सामने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। स्वागत भाषण समिति के सचिव राकेश श्राफ ने दिया। सचिव प्रतिवेदन समिति के महासचिव अनुज भगेरिया ने पढ़ा। सैंट विवेकानंद पब्लिक स्कूल, भगेरिया पब्लिक स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर प्रसाद गुप्ता ने समाज की एकता पर बल दिया। समाज की विशिष्ट प्रतिभाओं का प्रमाण पत्र प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। समाज के अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण मुरारी मोदी ने भी समाज का कोई भी बच्चा अगर पढ़ना चाहता है तो उसको छात्रवृत्ति की कोई कमी नहीं रहेगी।

हादसे में बाइक सवार की मौत

झुंझुनूं, (निसं) । सदर थानान्तर्गत बीड़ में सोती बुडाना सड़क मार्ग पर मंगलवार सुबह एक हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। एक निजी बुडाना ग्रामीण रूट की बस ने लापरवाही बरतते हुए बाइक सवार युवक को कुचल दिया। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गांव सोती निवासी छोटेलाल मेघवाल सुबह अपने काम के सिलसिले में बाइक से झुंझुनूं आ रहा था। तभी बीड़ में बुडाना की एक निजी बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद छोटेलाल को बस कुचलती हुई आगे रूक गई। हादसे की सूचना के बाद सदर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं घायल को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में एंबुलेंस की मदद से ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान घायल छोटेलाल ने दम तोड़ दिया। परिजनों की रिपोर्ट के बाद मृतक का पुलिस ने मृतक छोटेलाल के शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

झुंझुनूं के बुडाना सड़क मार्ग पर हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई।

इधर मृतक परिजनों एवं ग्रामीणों ने बस चालक की लापरवाही बताते हुए विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि बस चालक ने लापरवाही से पीछे से टक्कर मारी है। वहीं पुलिस ने बस को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक छोटेलाल के दो संतान है। बेटा कॉलेज कर रहा है तो बेटी स्कूल में अध्ययनरत हैं। खुद मृतक छोटेलाल झुंझुनूं में कलर पेंट का काम करता था। मृतक छोटेलाल मेघवाल परिवार में अकेला ही कमाने वाला था। उसके एक पुत्र और पुत्री है जो पढ़ाई कर रहे हैं। मृतक की पत्नी भी लंबे समय से हार्ट की पेशेंट है, इस हादसे के बाद परिवार में दु:ख का पहाड़ टूट गया है, साथ ही भविष्य की भी चिंता सताने लगी है। इधर कंडम हो चुकी बसों पर पुलिस और परिवहन विभाग भी कोई विशेष कार्रवाई नहीं कर रहा है, आपको बता दें ग्रामीण रूटों पर चलने वाली अधिकत्तर निजी बसें कंडम हो चुकी है बावजूद इसके बस संचालकों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे संक्षिप्त अधिसूचना

रेलवे भर्ती कक्ष

अधिसूचना संख्या 01/2022 (उपरे / स्पोर्टस / खुला विज्ञापन)
(यह भर्ती केवल खिलाड़ियों के लिए है)

अधिसूचना संख्या 01/2022 (उपरे/ स्पोर्टस / खुला विज्ञापन) के द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे पर स्पोर्टस कोटा 2022-23 के अन्तर्गत खुले विज्ञापन के तहत **खिलाड़ियों की भर्ती हेतु भारत के पात्र खिलाड़ियों से** ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन करने की प्रारंभ तिथि	26.09.2022
अंतिम तिथि	26.10.2022 समय 17.00 बजे तक।
रिक्तियों (पदों) की संख्या	21
रिक्तियों (पदों) का वर्गीकरण	01 रिक्ति तीरंदाजी में, 02 एथलेटिक्स में, 02 बैडमिंटन में, 03 बास्केट बॉल में, 02 बॉक्सिंग में, 02 क्रिकेट में, 01 क्रॉस कंट्री में, 02 साइक्लिंग में, 01 शूटिंग में, 01 वेटलिफटिंग में एवं 04 रेसलिंग में (आवेदन करने से पूर्व रिक्तियों के पूर्ण विवरण हेतु विस्तृत अधिसूचना देखें)।
पे पार्टिकुलर्स	पे लेवल 4/5 में 05 रिक्तियाँ एवं पे लेवल 2/3 में 16 रिक्तियाँ ।
न्यूनतम योग्यताएं	स्नातक, 10+2 एवं मैट्रिक (पे लेवल के अनुसार) साथ ही विस्तृत अधिसूचना के अनुसार खेलकूद योग्यता।
आयु सीमा	18 से 25 वर्ष (दिनांक 01.01.2023 को)

विस्तृत अधिसूचना एवं आवेदन प्रपत्र हेतु कृपया रेलवे भर्ती कक्ष की वेबसाइट www.rrcjaipur.in एवं www.nwr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें|

786-AK/22 हमें /NWRailways पर फॉलो करें

शिक्षक संघ का दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन शुरू

■ माता-पिता के बाद ही शिक्षक की समाज का निर्माता होता है : कच्छावा

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत शाखा झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष मंजीत चौधरी ने बताया कि जिला स्तरीय अधिवेशन परमवीर पीरू सिंह विद्यालय झुंझुनूं में आयोजित हुआ।

जिसमें मुख्य अतिथि एसपी मृदुल कच्छावा थे। अध्यक्षता एसडीएम शैलेश खैरवा ने की। विशिष्ट अतिथि डीईओ एलीमेंट्री मनोज ढाका, एडीईओ एलीमेंट्री प्रमोद आबूसरिया, एडीईओ एलीमेंट्री उम्मेद सिंह महला, अतिरिक्त परियोजना अधिकारी कमलेश तेतरवाल, प्रदेशाध्यक्ष गिरिराज शर्मा, संयोजक रेखा शर्मा, डॉ. कमलचंद सैनी, ज्वैलर्स गणेश सोनी, गौरव सैनानी प्रदेशाध्यक्ष राजपाल फोगाट, रामसिंह चौधरी आदि ने संबोधित किया। मुख्य अतिथि मृदुल कच्छावा ने कहा कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही समाज का असली निर्माता होता है। जो बच्चों को संस्कार व शिक्षा देते हैं। एसडीएम शैलेश खैरवा ने कहा कि हम जो भी है। शिक्षक समाज की ही देन है। शिक्षक ही समाज का आईना है। डीईओ मनोज ढाका ने कहा कि विभाग के समस्त बकाया कार्य जो भी है। संघ की मांग पर तत्काल प्रभाव से कर दिए जाएंगे। कार्यक्रम में कमलेश तेतरवाल ने बताया कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए मातृ-शक्ति को आगे आना होगा। प्रदेश अध्यक्ष गिरीराज शर्मा ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन विजय हिंद जालिमपुरिया ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुनील पूनियां, विनोद जांगिड़, सुनील गोठवाल, सुमित्रा पूनियां, जमुना झाझड़िया, सुमन बुगालिया आदि ने सरकार से तबादला नीति की मांग को पुरजोर रखी गई। संगठन की ओर से मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

भगत सिंह की जयंती मनाई

सादुलपुर, (निस)। शहीदे आजम भगत सिंह के सम्मान में क्रांति का झंडा जय वीर सिंह टांडी ने फहराया एवं शहीद को मालार्पण सतीश मेघवाल के द्वारा करवा कर सभी ने शहीद को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

इस मौके पर वेदपाल सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश शहिद भगत सिंह की फिर से आवश्यकता महसूस करने लगा है। संयोजक जगत सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा की मौजूदा सरकार बीमा कम्पनी के माध्यम से किसानों का शोषण करवाकर पूँजिपतियों को इस मालामाल करवाने पर आमादा है। उन्होंने जिसके लिए किसानों को संगठित होकर बीमा कम्पनी के विरोध में संघर्ष करने के लिए तैयारी करने पर जोर दिया। इस मौके पर मालाराम मुहाल, कृष्ण भाकर, भरतसिंह ढाका, सोहनलाल, माईराम साहरण, उदयभान लाखलाण, दीपक कड़वासरा, दीपू ख्यालिया, रणसिंह नरवासी, रणसिंह झाझडिया, मालाराम राजपूत आदि मौजूद थे।

'अक्षर के साथ कानूनी का ज्ञान भी दें'

चूरू, (का.सं.)। आम आदमी बुनियादी कानून की जानकारी के अभाव में न्यायालय तक नहीं पहुंच पाता है और वह शोषण और उत्पीड़न का शिकार होकर अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाता है।

इसलिए साक्षरता मित्र अपने क्षेत्र के असाक्षर लोगों को जब अक्षर ज्ञान करवाएं तो उन्हें बुनियादी कानूनों की जानकारी भी दें ताकि आवश्यकता पड़ने पर आम आदमी न्यायालय की शरण लेकर अपने अधिकारों की रक्षा कर सके। ये विचार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे प्रमोद बंसल ने व्यक्त किये। वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग की ओर से मुख्यमंत्री संबल योजनान्तर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में मंगलवार को आयोजित स्नातक युवा इण्टर्नशिप कार्यशाला में साक्षरता मित्रों को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। विशिष्ट अतिथि जिला रोजगार अधिकारी वर्षा जानू ने अपने उदबोधन में साक्षरता मित्रों को सलाह दी कि वे ईमानदारी और परिश्रम से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। पेनल अधिवक्ता राजेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने कानूनी साक्षरता की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए बालश्रम, बालविवाह, दहेज प्रथा, महिला व बुजुर्ग उत्पीड़न के विरूद्ध सरकार द्वारा बनाये गये कानूनों की जानकारी दी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तालुका विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा किये जा रहे जन हित के कार्यों के बारे में बताया। साक्षरता अभियान के ब्रांड अम्बेसेडर ममता रांकावत, प्रियंका प्रजापत और रोहित शर्मा ने अपने कार्य का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्षेत्र में हुए अपने अनुभवों का साझा किया। कार्यशाला के प्रारम्भ में जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश फगेड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत साडासर
पंचायत समिति सरदारशहर (चूरू)

क्रमांक :- 75 दिनांक 23.09.2022

निविदा सूचना संख्या 01/2022-23

ग्राम पंचायत में साडासर में 15वां/14वां वित्त आयोग अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इस प्रकार का कार्य करने वाले इच्छुक जी एस टी रजिस्ट्रड फर्म अपनी दरें दिनांक 06.10.2022 को दोपहर 2.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त निविदा उसी दिन उपस्थित निविदा दाता के समक्ष दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी। यदि निविदा खोलने की दिनांक को कोई राजकीय अवकाश हो, तो निविदा अगले दिवस में खोली जावेगी। निर्धारित दिनांक व समय के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक के प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा की संपूर्ण जानकारी SPP portal पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1	सिंगल फैज टयूबवेल निर्माण उप स्वास्थ्य केन्द्र हरदेसर	150000.00	3000.00	500/-

धरोहर राशि के डी डी/निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस डीडी/बैकर्स चैक एवं दस्तावेज भौतिक रूप से कार्यालय ग्राम पंचायत में जमा करवाने की दिनांक	दिनांक 06.10.2022 तक 2.00 बजे तक

(कविता) सरपंच
ग्राम पंचायत साडासर, पं.स. सरदारशहर

प्रधानाचार्य ने कार्यभार संभाला

सादुलपुर, (निस)। ग्रामीण क्षैत्र में गाँव कांधराण के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य पद पर राजपाल स्वामी ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया। तत्पश्चात विद्यालय स्टाफ व ग्रामवासियों की ओर से प्रधानाचार्य स्वामी का साफा पहनाकर एवं मिठाईयां खिलाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कान्ता ने की व मुख्य अतिथि राजपाल स्वामी प्रधानाचार्य एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य अर्जूनराम निमड़ थे। इस अवसर पर सुल्तानसिंह निमड़, यासीन खाँ पीटीआई, जयप्रकाश जांगीड़, रामनिवास पूनियां, रणवीर राव, संजय राव, श्रीचन्द राव व.अ., रमेश धायल, महेन्द्र स्वामी, संदीप कुमार पूनियां, धर्मवीर टाक अ., सत्यवीर राव पीटीआई, रामसिंह भगत, पुरूषोतम बलौदा व.अ. सहित सभी ग्रामवासियों ने प्रधानाचार्य स्वामी का साफा पहनाकर व मिठाईयां खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर अर्जूनराम निमड़, मनरूप टाडा व प्रधानाध्यापिका कान्ता ने अपने सम्बोधन में विद्यालय की उन्नती व शिक्षा के क्षैत्र एवं खेल के क्षैत्र में ग्रामवासियों से सहयोग की अपिल की।

आर.जे.एस. में चयनित शिखा शर्मा का अभिनन्दन

चूरू, (का. सं.)। चूरू बालिका महाविद्यालय में राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित महाविद्यालय की पूर्व छात्रा शिखा शर्मा का अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रबंध समिति के सचिव भागीरथ शर्मा, प्राचार्य आशा कोठारी, प्रबंध समिति के सदस्य राजेश मण्डावेवाला, विमल सिंह राठौड़, प्रोफेसर सचिन शर्मा एवं छात्राओं द्वारा शिखा शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। प्राचार्य आशा कोठारी ने आर.जे.एस. शिखा शर्मा का स्वागत करते हुए कहा कि बड़े गर्व की बात है कि ये इसी महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही है, आज समर्पण, त्याग, लगन, परिश्रम, लक्ष्य और व्यक्ति की उपलब्धियों का अभिनन्दन है। शिखा शर्मा ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी रूचि के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करनी चाहिए। व्यक्ति दृढ़ निश्चिय के साथ लक्ष्य तय कर सीमित संसाधनों में भी अपना मुकाम हासिल कर सकता है साथ ही माता-पिता, गुरु का सम्मान करें, दूसरों की मदद करें, अच्छे मित्रों की संगत में रहें तो हम निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करने में आगे बढ़ सकते हैं।

चूरू बालिका महाविद्यालय में राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित महाविद्यालय की पूर्व छात्रा शिखा शर्मा का अभिनन्दन किया।

उन्होंने बताया कि चूरू बालिका महाविद्यालय महिला शिक्षा को बढ़ावा देने वाला एक आदर्श महाविद्यालय है, जहां छात्राओं को बिना किसी भेद-भाव के उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की जाती है। महाविद्यालय प्रबंध समिति द्वारा आर.जे.एस. शिखा शर्मा को प्रतीक चिन्ह, शॉल व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रोफेसर कविता पंसारी, रवीन्द्र कुमार लाटा व डॉ. मंसूर अली द्वारा शिखा शर्मा के परिवारजनों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सचिव द्वारा मंचस्थ अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित थे। संचालन प्रोफेसर ज्योत्सना सोनी ने किया।

किसानों ने ज्ञापन सौंपा

सादुलपुर, (निस)। किसानों ने स्पेशल गिरदावरी व फसल कटाई प्रयोग दुबारा से कराने की माँग को लेकर मंगलवार को एसडीएम राजगढ को ज्ञापन सौंपा है। किसानों ने बताया कि खरीफ 2022 की फसल के फसल कटाई प्रयोग हमीरवास बड़ा के पटवार मंडल हमीरवास छोटा में प्रयोग करने के बाद बीमा कंपनी के अधिकारियों ने सरदारपुरा गांव में प्रयोग नहीं किए एवं अब अत्यधिक वर्षा होने के कारण किसानों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चूकी है। जिसको लेकर किसानों ने स्पेशल गिरदावरी व फसल कटाई प्रयोग दुबारा से कराने की माँग की। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम राजगढ निखिल पोद्दार को ज्ञापन सौंप कर चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 24 घण्टे बाद भी विशेष गिरदावरी के आदेश नहीं हुए तो पँचायत के किसान एसडीएम कार्यालय के अन्दर धरने पर बैठेंगे, जिस पर उपखण्ड अधिकारी निखिल पोद्दार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उच्च अधिकारियों से बातचीत करके दुबारा सर्वे करवा देंगे। इस अवसर पर कामरेड नरेंद्र सिंह हमीरवास बड़ा, प्रवीण सरदारपुरा, इन्द्र सिंह व निहाल सिंह आदि प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत आसपालसर बड़ा
पंचायत समिति सरदारशहर (चूरू)

क्रमांक :- दिनांक..........

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत आसपालसर बड़ा (पंचायत समिति सरदारशहर) में 15वा वित्त आयोग अन्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित कार्य के लिए मय डिफेक्ट लाईबिलिटी 02 वर्ष की अवधि के जो निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिए उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान/केन्द्र सरकार में पंजिकृत संवेदकों सेई-टैण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1	टयूबवैल निर्माण रा मा वि खेल मैदान में आसपालसर बड़ा	934000.00	18680.00	500/-

ऑनलाईन फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की तारीख	दिनांक 23.09.2022 से 04.10.2022 तक दोपहर 12.00 बजे तक
धरोहर राशि के डीडी/निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस डीडी/बैंकर्स चैक एवं दस्तावेज भौतिक रूप से कार्यालय ग्राम पंचायत में जमा करवाने की दिनांक	दिनांक 04.10.2022 तक 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	04.10.2022 को सांय 4.00 बजे

निविदा संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्तें कार्यालय ग्राम पंचायत में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है एवं वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत आसपालसर बड़ा
पंचायत समिति, सरदारशहर

सरपंच
ग्राम पंचायत आसपालसर बड़ा
पंचायत समिति, सरदारशहर

आईआईटी-एनआईटी काउंसलिंग की दूसरे राउण्ड का सीट आवंटन आज

विद्यार्थियों को होगा ड्यूल डाक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन

कोटा,(निसं)। देश के आईआईटी, एनआईटी ट्रिपलआईटी सहित 112 संस्थानों की 54 हजार 477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग जारी है। ज्वाइंट काउंसलिंग के दूसरे राउण्ड का सीट आवंटन आज 28 सितम्बर शाम 5 बजे जारी कर दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों को दूसरे राउण्ड में पहली बार कॉलेज सीट आवंटित होंगी, उन्हें काउन्सलिंग ऑप्शन फ्लॉट, स्लाइड व फ्रीज ऑप्शन को चुनकर सीट असेप्टेंस फीस जमा करवाकर,आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड कर 1 अक्टूबर शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी। जोसा द्वारा अपलोड किये गए डोक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन कर आवंटित सीट कन्फर्म की जाएगी। जोसा द्वारा अपलोड किये गए डाक्यूमेंट्स में कमी पाए जाने पर आयी क्वेरी का रेस्पॉन्स 2 अक्टूबर तक देना होगा।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया जिन विद्यार्थियों को पहले राउण्ड में आईआईटी का आवंटन हुआ था, अगर अब उन्हें दूसरे राउण्ड में एनआईटी का आवंटन होता है, साथ ही जिन्हें पहले राउण्ड में एनआईटी सीट का आवंटन हुआ था और अब उन्हें दूसरे राउण्ड में आईआईटी सीट का आवंटन होता है तो ऐसे विद्यार्थियों का ड्यूल डाक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन होगा अर्थात दूसरे राउण्ड में नए आवंटित कॉलेज के अनुसार ही उनके डाक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन दोबारा होगा और वेरिफिकेशन के दौरान उपलोड किये गए डाक्यूमेंट्स में कमी मिलने पर आयी क्वेरी का समय रहते रिस्पांस करना होगा। रेस्पॉन्स नहीं करने पर उनकी आवंटित सीट निरस्त कर दी जाएगी। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड में सीट का आवंटन हुआ था और अब वो सीट छोड़कर जमा करवाई गई असेप्टेंस फीस रिफण्ड करना चाहते हैं, उन्हें वेबसाइट पर जाकर विड्राअल के लिए आवेदन कर सकते है। जोसा द्वारा 6000 रुपए प्रोसेसिंग शुल्क काटकर शेष फीस लौटा दी जाएगी।

- **29 सितम्बर से 4 अक्टूबर के बीच आवंटित कॉलेज में फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी**

आहूजा के अनुसार जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में सीट का आवंटन हुआ था और उन्होंने ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर फ्लॉट व स्लाइड ऑप्शन को चुना था, उन्हें दोबारा ऑनलाइन रिपोर्टिंग करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही वे विद्यार्थी जो अपने द्वारा प्रथम काउंसलिंग राउण्ड के दौरान लिए गए फ्लॉट व स्लाइड ऑप्शन को बदलकर आगे की काउंसलिंग में जाना चाहते हैं, उन्हें वेबसाइट पर लॉगिन कर दिए गए विकल्प पर जाकर अपने काउन्सलिंग ऑप्शन को स्विच ओवर करना होगा। विद्यार्थी फ्लॉट ऑप्शन को स्लाइड व फ्रीज में एवं स्लाइड ऑप्शन को फ्रीज में बदलकर आगे की काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

आहूजा ने बताया की देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल दिल्ली टेक्नीकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू), नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसयूटी) ट्रिपलआईटी दिल्ली, आईजीटीयूडब्ल्यू एवं डीकेइयू की 6372 सीटों के लिए करवाई जा रही जैक काउन्सलिंग के पहले राउंड का सीट आवंटन आज 28 सितम्बर को जारी किया जायेगा। जिन स्टूडेंट्स को पहले राउंड में सीट मिलेगी उन्हें सीट एक्सेप्टेन्स फीस जमकर अपनी एआईआर के अनुसार दिए गए काउंसलिंग शेडूयल में 29 सितम्बर से 4 अक्टूबर के बीच आवंटित कॉलेज में फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी और अपने डाक्यूमेंट्स वेरिफाई करवाकर अपनी मिली सीट कन्फर्म करनी होगी, फिजिकल रिपोर्टिंग ना करने पर मिली सीट केन्सिल कर दी जाएगी। दूसरे राउंड का सीट आवंटन 6 अक्टूबर को किया जायेगा।

जोड़बीड़ कंजर्वेशन एरिया में शिकारियों ने हिरण मारे

वनकर्मियों ने ग्रामीणों के साथ पीछा कर चाचा-भतीजे को पकड़ा

बीकानेर, (कासं)। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन एरिया में बाइक पर सवार होकर पहुंचे शिकारियों ने गोली मारकर हिरणों का शिकार किया। वनकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से पीछा कर दो शिकारियों को पकड़ा है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजे हैं। आरोपियों से मृत हिरण और शिकार में काम लिए हथियार बरामद किए गए हैं। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन क्षेत्र में दो दिन पहले चिंकारा हिरणों के शिकार की घटना सामने आई है।

गोपालसर गांव निवासी राजेन्द्र बावरी उर्फ राजू और भादरराम बावरी उर्फ भादर बाइक पर सवार होकर जोड़बीड़ कंजर्वेशन क्षेत्र में पहुंचे और वहां चिंकारा हिरणों का शिकार किया। क्षेत्र में रेवड़ चरा रहे ग्रामीण रामा चौधरी ने शिकारियों को देखकर ललकारा और भंवरलाल जाट, रेवंतराम व अन्य ग्रामीणों को मौके पर बुलाया। वनकर्मी भी मौके पर पहुंच गए।

- **मृत हिरण और शिकार में काम लिए हथियार बरामद किए गए**
- **गोपालसर के शिकारियों ने 23 और 24 सितंबर को दो दिन लगातार हिरणों का शिकार किया**

वनकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से शिकारियों का पीछा किया और दोनों शिकारियों को पकड़ लिया। उनसे टोपीदार बंदूक, दो गंडासे, चाकू, बाइक बरामद किए गए। आरोपियों की निशानदेही पर मृत हिरण भी बरामद किया। कोटड़ी रेंजर हरिराम जाट ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा, लेकिन उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए गए।

जीव रक्षा संस्था के अध्यक्ष मोखराम धारणिया ने आरोप लगाया है कि गोपालसर के शिकारियों ने 23 और 24 सितंबर को दो दिन लगातार हिरणों का शिकार किया। चिंकारा हिरणों को मारकर बोर में डाल ले गए। इसके बावजूद वन विभाग ने एक ही दिन का केस दर्ज किया है। इसके अलावा शिकारियों का रिमांड भी नहीं लिया गया। उनसे पूछताछ कर अन्य शिकारियों को नामजद कर हिरण या उनका मांस बरामद करना चाहिए था। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन क्षेत्र में चिंकारा हिरणों का शिकार गंभीर मामला है, जबकि वहां वनकर्मियों की ड्यूटी रहती है।

पायलट के समर्थन में लगे पोस्टर चर्चा का विषय बने

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में कांग्रेस के भीतर मचे घमाशान की आंच सी एम अशोक गहलोत के गृहनगर में भी दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर जोधपुर में सचिन पायलट के समर्थन में लगे पोस्टर मारवाड़ में चर्चा का विषय बने हुए है।

जोधपुर के चौराहों पर सचिन पायलट के पोस्टर नए युग की तैयारी के कैप्शन के साथ लगाए गए हैं। जो शहर में काफी चर्चा का विषय बने है। सचिन पायलट के समर्थकों का कहना है कि राजस्थान के विकास तथा प्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार लाने के लिए सचिन पायलट जैसे युवा को अवसर मिलना चाहिए। सचिन पायलट अनुभवी युवा नेता हैं। प्रदेश का युवा उन्हें मुख्यमंत्री देखना चाहता है।

सचिन पायलेट के प्रबल समर्थक पूर्व पार्षद एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, मीडिया सेल के निवर्तमान प्रवक्ता राजेश मेहता का कहना है कि राजस्थान में 2023 में कांग्रेस सरकार को वापस रिपीट करवाना है तो सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को विजय दिलाने में सचिन पायलट का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अगर गहलोत की विधानसभा चुनाव में जादूगरी चली होती तो लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र वैभव गहलोत को अपने ही गृहनगर में हार का मुंह क्यों देखना पड़ा।

राजेश मेहता का कहना है कि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर बुलाई गई विधायक दल की बैठक में कुछ मंत्रियों और विधायकों द्वारा नहीं जाकर अलग से बैठक करना पार्टी से बगावत है। आलाकमान द्वारा बुलाई गई बैठक में लिए जाने वाले प्रस्ताव के विरोध में विधानसभा स्पीकर के पास जाकर इस्तीफा देकर आलाकमान को चुनौती देने वाले मंत्रियों पर तुरंत प्रभाव से कार्यवाही होनी चाहिए। प्रभारी महासचिव अजय माकन पर आरोप लगाने वाले मंत्री शांति धारीवाल पर तुरन्त प्रभाव से अनुशासन हीनता की कार्रवाई करते हुए पार्टी से निकालना चाहिए।

हवाला के 1.71 करोड़ रुपए बरामद

बीकानेर, (कासं)। लखनऊ के अमीनाबाद स्थित एक होटल में ठहरे बीकानेर के दो युवकों को वहां की पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पुलिस ने 1.71 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। यह रकम हवाला की बताई जा रही है।

- **आयकर विभाग भी करेगा जांच**

अमीनाबाद पुलिस थाने के स्टेशन ऑफिसर कृष्ण वीर सिंह ने बताया कि आरोपी राकेश पुरोहित पुत्र शीशपाल बीकानेर के कालू तथा मनोज पुत्र शिवप्रसाद श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाने के कीतासर गांव का निवासी है। उनके पास से बरामद करोड़ों रुपये के बारे में आयकर विभाग के अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है। हवाला की बड़ी रकम मिलने के बाद लखनऊ पुलिस ने बीकानेर पुलिस से संपर्क साधा है। उनकी निशानदेही पर युवकों के ठिकानों पर दबिश दी जायेगी। लखनऊ के डीसीपी पश्चिम डॉ. एस. चिनप्पा ने बताया कि सोमवार को मुखबिर की सूचना पर गणेशगंज ग्रेन मार्केट स्थित एक होटल से राकेश और मनोज को गिरफ्तार किया गया। दोनों होटल से बरामद 1.71 करोड़ रुपयों का हिसाब नहीं दे पाए। आरोपियों की कॉल डिटेल से हवाला कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में खुलासा हो सकता है।

चिकित्सक ने महिला को जड़ा थप्पड़

पीड़ित महिला और बच्ची।

भीलवाडा, (निसं)। जिले के सबसे बडे महात्मा गांधी चिकित्सालय में एक सीनियर डॉक्टर ने घिनौनी हरकत को अंजाम दिया है। जानकारी अनुसार एक महिला अपनी बेटी को हॉस्पिटल दिखाने आई थी इस दौरान एनआईसीयू वार्ड के बाहर डॉक्टर ने इस महिला को थप्पड जड़ दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है इसके बाद पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

जानकारी के अनुसार बीगोद क्षेत्र की रहने वाली कशीबुन निशा अपनी बेटी तरन्नुम निशा को जिले के सबसे बडे महात्मा गांधी चिकित्सालय की शिशु इकाई में दिखाने आई थी। डॉक्टर इंद्रा सिंह को दिखाने के बाद पर्ची पर सील नहीं लगी होने के कारण उन्हें दवाइयां नहीं दी गई, जिस पर वह दोबारा डॉक्टर से सील लगवाने के लिए उनके वार्ड में पहुंची तो जानकारी मिली कि डॉक्टर इंद्रा सिंह एनआईसीयू वार्ड में जा चुकी है इस पर गार्ड से अनुमति लेकर महिला डॉक्टर सिंह से सील लगाने एनएसयू वार्ड के अंदर चली गई जहां उन्होंने मय सील लगाने के साथ ही कुछ दवाइयों में संशोधन किया और वहां खडे वार्डबॉय से महिला को दवा समझाने के लिए कहा, जब वार्डबॉय महिला को दवाओं के संबंध में जानकारी दे रहा था। इस दौरान बोर्ड के अंदर से निकलकर बाहर आए डॉ जगदीप सोलंकी ने उक्त महिला को एनआईसीयू वार्ड में खडे रहने की वजह पूछी वह कुछ बोलती उससे पहले ही उन्होंने उक्त महिला को थप्पड जड़ दिया और बदसलूकी करते हुए वार्ड से बाहर निकलने को कहा। थप्पड़ जड़ने की यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है वही पीड़ित महिला ने इस पूरे मामले में भीमगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज करवाया है फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में समझाइश कर मामले को निपटाने का प्रयास कर रही है तो वहीं पीड़ित महिला का कहना है कि वह दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई चाहती है।

बस-ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत, 3 की मौत

नोखा, (निसं)। नागौर के पास बस और ट्रक की भिड़ंत में नोखा के 3 लोगो की मौत हो गई। वहीं 8 लोग गंभीर घायल हो गए जिनका बीकानेर में इलाज चल रहा है। घायलों में महिलाओं व पुरुषों के साथ में बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बस में पचास सवारी थी। जिसमें आगे बैठी अधिकांश सवारियां घायल हो गई । ये हादसा अठियासन गांव के आस-पास हुआ है। जहां मिनी बस में बैठी 36 सवारियां हादसे की चपेट में आ गई। पीछे बैठी सवारियों के चोट नहीं आई।

बस रामदेवरा से नोखा के दावां गांव जा रही थी। रास्ते में झुंझाला माता में दर्शन करके लौट रहे थे। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक से जबर्दस्त टक्कर हो गई। घायलों को तुंरत बीकानेर के लिए रवाना किया गया। घायलों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं । महिलाएं भी घायल हुई हैं। अधिकांश सवारियों के सिर में चोट आई है। शेष घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मृतक मोहनराम मेघवाल, चुतराराम दावा निवासी है। एक मृतक गुड्डी मेघवाल कक्कू निवासी है। दावा निवासी पुखराज मेघवाल, मघाराम मेघवाल, गीता मेघवाल, चुतराराम मेघवाल, प्रियंका मेघवाल, चरकड़ा के लिछमण राम मेघवाल, हंसासर के हरिकिशन कुम्हार, कक्कू का सुंदर मेघवाल, सीता मेघवाल का इलाज बीकानेर पीबीएम इलाज चल रहा है। बाकी 27 लोगो का नागौर में ही इलाज किया गया।

पतंजलि से जुड़े बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी

अलवर, (निसं)। पतंजलि स्टोर के बिजनेसमैन को पाकिस्तान के एक नंबर से जान से मारने की धमकी मिल रही है। कॉल पर व्यापारी को मिलने के लिए कहा गया, जब उसने मना कर दिया तो धमकाया कि तुझे जान से मार देंगे। इसके बाद व्यापारी थाने पहुंचा। यहां भी बदमाश ने कॉल कर जान से मारने की धमकी दी। मामला अलवर शहर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र का है।

बिजनेसमैन सीपी यादव (44) का एमआईए इंडस्ट्री एरिया में तेल व पशु आहार की फैक्ट्री है। इसके साथ पतंजलि के प्रोडक्ट भी बनाते हैं और शहर में स्कूल व कॉलेज है। सीपी यादव ने बताया कि उन्हें अगस्त महीने से जान से मारने की धमकी मिल रही थी। सबसे पहले 28 अगस्त को कॉल किया था। इसके बाद 1 व 4 सितंबर को कॉल कर धमकाया।

इससे पहले बदमाश लगातार मिलने की बात कहकर धमका रहे थे। 26 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे बदमाशों ने कॉल किया। यह कॉल व्यापारी की पत्नी ने रिसीव किया। बदमाशों ने धमकाया कि 5 मिनट में मिल ले वरना अंजाम ठीक नहीं होगा। पत्नी को जब इसके बारे में पता चला तो बिजनेसमैन चंद्र प्रकाश यादव ने बताया कि बदमाश उसे कभी से परेशान कर रहे हैं। इस पर दोनों देर रात 11 बजे शिवाजी पार्क थाना पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। थाने पहुंचने के बाद भी व्यापारी को धमकी भरा कॉल आया। पूछा कहां आया है- तो बताया कि थाने आया हूं शिकायत करने। इस पर बदमाशों ने थाने में भी धमकाया कि तू मान नहीं रहा है, तेरी थानेदारी निकाल देंगे। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार सीपी यादव के पास 9680568922, 3023141670, 6913926695 व 8017430713 सहित कई नंबरों से फोन आए। जब एक नंबर को व्यापारी ब्लॉक कर देता तो दूसरे से फोन आने लग जाते। दूसरा ब्लॉक या तो तीसरे नंबर से फोन आने शुरू हो जाते हैं। अलवर शहर के राखी कारोबारी का 29 जुलाई को मर्डर कर दिया गया था। इस मर्डर केस में जब पुलिस ने खुलासा किया और आरोपियों से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि उनके रडार पर कारोबारी सीपी यादव भी थे। इधर, सीपी यादव को लगातार मिल रही धमकियों के बाद पुलिस भी अलर्ट हो गई है।

बिजनेसमैन सीपी यादव

- **पाकिस्तान के नंबर से आया कॉल, कहा-अंजाम सही नहीं होगा**

डीडवाना पालिका उपाध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना नगर पालिका के उपाध्यक्ष बाबू खान बेगाना के खिलाफ खेत में जबरन घुसने, खडी फसल को नष्ट करने ओर परिवादी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीडित व्यक्ति ने जब पुलिस में मामला दर्ज करवाना चाहा तो पालिका उपाध्यक्ष के रसूख के चलते पुलिस ने भी मामला दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीडित ने न्यायालय में परिवाद पेश किया, तब जाकर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन निवासी परिवादी नेमीचंद ने पालिका उपाध्यक्ष बाबू खान बेगाना, उनके पुत्र आसिफ खान और धर्मपाल सिंह सहित 8-10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। नेमीचंद ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पूर्वजों का एक खेत है, जिस पर वह और उनके भाई प्रभुराम, मोहनराम का कब्जा काश्त सैकडों वर्षो से चला आ रहा है। 24 जुलाई की रात को बाबू खान बेगाना, आसिफ खान और धर्मपाल सिंह 8-10 व्यक्तियों के साथ एक राय होकर हाथों में हथियार लेकर उनके खेत पहुंचे और खेत में खडी फसल को ट्रैक्टर और गाडियों से नष्ट कर दिया। पीडित ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि सभी आरोपी बदमाश किस्म के व्यक्ति हैं और बाबू खान बेगाना नगर पालिका में उपाध्यक्ष है। यह लोग जमीनों के भी बडे भूमाफिया है। उनके रसूख के चलते पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की और बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद पुलिस ने उन पर राजीनामा का दबाव बनाया। जिसके बाद पीड़ित ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया है। पीड़ित के परिवाद पर एसीजेएम नीलम मीणा ने डीडवाना पुलिस थाने को प्रकरण की एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कर करने के आदेश दिए हैं।

- **बदमाशों के साथ खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाने का आरोप**

60 किलो दाल सीज

चूरू, (का. सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगल वार को जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशानुसार कार्रवाई कर नवोदय विद्याल य में खाद्य सामग्री आपूर्ति करने वाल ी फर्म से चूरू शहर में दो नमूने लि ये। टीम ने मौके पर 60 किलो दाल सीज की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्याल य सरदार शहर में सप्लाई की जा रही खाद्य सामग्री से संबंधित चूरू की फर्म महिमा एंटरप्राइजेज चूरू व श्रीलाल श्याम सुंदर फर्म उत्तरादा बाजार चूरू का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया व विनोद थारवान ने बताया कि फर्म श्रीलाल श्याम सुंदर उतरादा बाजार चूरू से सप्लाई की जा रही खाद्य सामग्री चना दाल व मूंग मोगर के एक-एक नमूने लि ए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान 60 किल ोग्राम दाल को सीज किया गया है। दोनों नमूनों को प्रयोगशाल ा जयपुर में जांच के लि ए भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

- **खाद्य सामग्री आपूर्ति करने वाली फर्म के खिलाफ कार्रवाई**

उप जिला चिकित्सालय पोकरण में मरीज बेहाल

रोजना सात सौ से आठ सौ मरीज की ओपीडी, जनप्रतिनिधि नही दे रहे ध्यान

पोकरण, (निसं)। इन दिनों पोकरण शहर में मलेरिया,डेंगू व मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ रहे हैं। वहीं उपजिला चिकित्सालय पोकरण की व्यवस्था चरमरा गई है। चिकित्सा प्रभारी डॉ. कामिनी गुप्ता ने बताया कि प्रतिदिन 700- 800० मरीजों की ओपीडी होती है। वहीं इनमें से भर्ती मरीजों को अस्पताल प्रशासन बेड भी मुहैया करा पाने में असमर्थ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में अस्पताल में बेड की कमी की वजह से मरीजों को बाहर से अपना उपचार करवाना मजबूरी रहता है। मरीजो के परिजन बाहर से चारपाई किराये पर लाकर भर्ती हो रहे हैं । काबिले गौर है कि पोकरण विधानसभा की लगभग तीन लाख जनसंख्या लगभग पर यह एक मात्र उपजिला अस्पताल है, जो भी हर साल की तरह इस साल भी मौसमी बीमारियों के समय में अपनी बदहाली का बयान करता हुआ नजर आ रहा है। मात्र 16 चिकित्सकों के भरोसे क्षेत्र की जनता का उपचार हो रहा है। वही सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार ट्रामा सेंटर खोलने की कार्रवाई धीमी गति से चल रही है।

पोकरण चिकित्सालय में एक ही बेड पर तीन-चार मरीज उपचार लेने को मजबूर।

केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री साले मोहम्मद के निर्वाचन क्षेत्र का एकमात्र उप जिला चिकित्सालय अपनी बदहाली का बयान दर्ज करवा रहा है।

इस अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उपजिला अस्पताल का दर्जा मिल गया हैं और क्षेत्र के विधायक शाले मोहम्मद इसे स्वास्थ के क्षेत्र में अपनी बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल इसके उलट दिखाई देती है । जहां सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार बेड की संख्या 150 बताई जाती है, वहीं मौके पर मात्र सौ बेड भी नजर नहीं आ रहे हैं । अस्पताल में सिर्फ दो फिजिशियन डॉक्टर की नियुक्ति की गई है।

अव्यवस्थाओं का आलम यह हैं कि चिकित्सक अस्पताल ओपीडी पर उपचार डेंगू का दे रहे। लेकिन जाँच लिखे बिना ताकि सही आँकड़े जनता और मीडया की नजरों में न आ पाए। चिकित्सक ने अपना नाम नही छापने की शर्त पर बताया कि डेंगू के उपचार के लिए चिकित्सालय में संसाधन कम होने के कारण डेंगू के मरीज को उपचार तो दिया जाता है। वही सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया जाता।

उप जिला चिकित्सालय पोकरण की प्रभारी डॉ. कामिनी गुप्ता ने बताया कि मौसमी बीमारी मलेरिया डेंगू के मरीजों का लगातार इजाफा हो रहा है। चिकित्सक टीम द्वारा लगातार उपचार में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। बेड की कमी होने एवं बेडशीट की धुलाई समय पर नहीं होने के कारण मरीजों को उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है।

पत्नी पीहर गई थी, पीछे से पति ने खुदकुशी की

भरतपुर, (निसं)। अटलबन्द थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक संजू घर में अकेला था और उसकी पत्नी अपनी बेटी के साथ आगरा गई हुई थी।

घटना का पता तब चला जब उसके शव से बदबू उठने लगी। पड़ोसियों ने इसकी खबर पुलिस को खबर की। जिसके बाद पुलिस ने घर का गेट तोड़ा तो पता लगा कि व्यक्ति पंखे के फंदे से लटका हुआ है। 2 दिन से लटके हुए शव में बुरी तरह से बदबू आ रही थी। काफी मशक्कत के बाद व्यक्ति के शव को नीचे उतारा गया और शव को मोर्चरी में भिजवाया गया। इंदिरा नगर कॉलोनी निवासी संजू अपनी पत्नी और बेटी के साथ रहता था। संजू की पत्नी अपनी बेटी को लेकर आगरा गई थी। घर में सिर्फ संजू अकेला था। घर पर कोई नहीं था जब संजू ने फांसी लगा ली। संजू की पत्नी अपने पिता के घर गई हुई थी। इस बीच उसकी अपने पति संजू से बात नहीं हुई। आज पड़ौसियों को संजू के घर से बदबू आई तो उन्होंने कंट्रोल रूम में घटना की सूचना दी। मौके पर अटलबन्द थाना पुलिस पहुंची और घर का गेट तोड़कर घर में दाखिल हुई। अंदर संजू का शव पंखे के कुंदे से लटका हुआ था जिसमें से काफी बदबू आ रही थी। पुलिस ने संजू के पिता मनसुख को मौके ओर बुलाया। मृतक के पिता ने बताया कि संजू दिमागी रूप से बीमार था। जिसका इलाज भी चल रहा था। वह बीमार होने के कारण घर में तोड़फोड़ भी करता रहता था। जिसके बाद पुलिस ने एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया और काफी कोशिश के बाद शव को कुंदे से नीचे उतारकर मोर्चरी भिजवाया।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL CHITTORGARH

NO./Utsav/Dussera Mela-2022/6562-63 DATE :- 22.09.2022

Notice Inviting Bid

Various types of works and arrangements for organizing Dussehra Mela-2022. in Municipal Council Chittorgarh are invited form interested bidder upto 30/09/2022 (time) 12.30 PM (date). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.chittorgarhmc.com departmental website.

UBN DLB2223WSOB16580, DLB2223WSOB16581

Raj.Samwad/C/22/8340 President Commissioner

कार की पिछली सीट पर बैठे व्यक्ति को भी बेल्ट लगाना अनिवार्य

प्रदेश में आज से लागू होगा नियम, लापरवाही पर कटेगा चालान

जयपुर (कासं)। कार में पिछली सीट पर बैठे व्यक्ति को भी सीट बैल्ट लगाना अनिवार्य होगा। प्रदेश में बुधवार से इसे लागू कर दिया जायेगा। इस संबंध में मंगलवार को परिवहन विभाग ने आदेश जारी किया है। बिना सीट बेल्ट कोई यात्री मिला तो उसका चालान किया जाएगा, ये चालान उतना ही होगा, जितना आगे की सीट पर बैठे व्यक्ति पर लगता है।

■ पीछे की सीट पर बैठने वाले तीसरे व्यक्ति को लेकर कोई स्पष्ट आदेश नहीं, अधिकारी खुद असमंजस की स्थिति में

विभाग से जारी आदेशों में सीट बेल्ट उनके लिए अनिवार्य है, जो फ्रंट फेसिंग सीट पर बैठते है। यानी बैठते समय यात्री का फेस या दिशा आगे की तरफ हो। अक्सर बड़ी गाड़ियों में कई जगह सीटें बैक फेसिंग भी होती है। ऐसे पैसेंजर पर यह नियम लागू नहीं होगा। साइट फेसिंग सीट पर बैठे यात्री के लिए भी सीट बेल्ट जरूरी नहीं है। 1 सितंबर 2020 में मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन करते हुए सीट बेल्ट नहीं लगाने पर चालान की राशि 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए की गई थी। कार में आगे बैठे दोनों यात्रियों पर यह फिलहाल लागू था। आदेशों में पीछे की सीट पर बैठने वाले तीसरे व्यक्ति को लेकर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसको लेकर परिवहन विभाग के अधिकारी खुद असमंजस में है।

परिवहन विभाग के कमिश्नर कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि गाड़ी की मैन्युफैक्चरिंग के हिसाब से सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। अगर किसी गाड़ी में 5 व्यक्ति हैं और 4 सीट पर बेल्ट है तो ऐसी स्थिति में क्या होगा? इसको लेकर मामले को दिखवाना पड़ेगा। ज्ञात रहे कि गुजरात से मुंबई लौटते समय जाने-माने बिजनेसमैन सायरस मिस्त्री की 4 सितम्बर को कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। मिस्त्री उस समय कार की पीछे वाली सीट पर बैठे थे।

उन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। कार जब हाईवे पर एक दीवार से टकराई तो मिस्त्री और उनके साथ बैठे जहांगीर पंडोले की सीट से सिर टकराने से मौत हो गई थी। इसके बाद केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन जारी करके सभी राज्यों को कार में पीछे की सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता करने के निर्देश दिए थे।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को दबोचा है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की 3 बाइक बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने एक दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम देना कबूला है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले भी चोरी और लूट के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके हैं। डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दानिश अहमद, नजरूद्दीन उर्फ तालिम और यूनूस खान मौजमाबाद जयपुर ग्रामीण के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने खोह नागोरिया से दो बाइक चुराना कबूल किया, जबकि एक बाइक भांकरोटा से और बगरू थाने से तीन बाइक चुराना कबूल किया हैं।

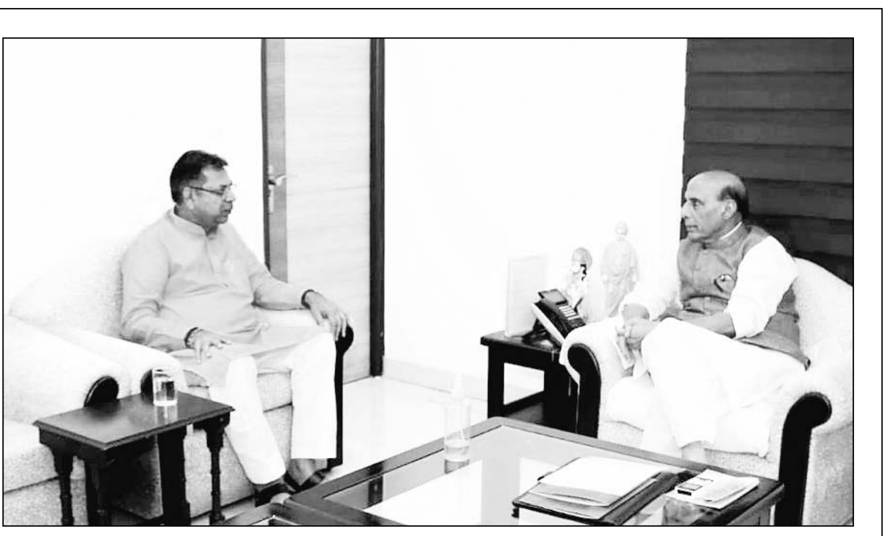

राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने नई दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भेंट की।

सफाई मामले में न्यायमित्र लिखित में आपत्ति पेश करें : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने शहर की सफाई व्यवस्था से जुड़े मामले में राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए शपथ पत्र से संतुष्ठ नहीं होने पर न्यायमित्र विमल चौधरी को लिखित तौर पर आपत्ति देने को कहा है। वहीं अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि पब्लिक में सिविक सेंस होगा तो शहर में भी सफाई रहेगी, इसके लिए सभी को जागरुक रहने की जरूरत है। वहीं मामले की सुनवाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में रखी है। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश शहर की सफाई व्यवस्था पर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ अदालत ने सरकार के शपथ पत्र से संतुष्ट नहीं होने पर न्यायमित्र को कहा

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश के पालन में ग्रेटर नगर निगम कमिश्नर महेन्द्र सोनी व हेरिटेज निगम के अतिरिक्त कमिश्नर सहित अन्य अधिकारी पेश हुए। इस दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता एएजी अनिल मेहता ने कहा कि पूर्व में सफाई व्यवस्था की जानकारी को लेकर शपथ पत्र पेश किया जा चुका है। शहर में सुचारु तरीके से सफाई हो रही है और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हो रहा है। इस पर आपत्ति करते हुए न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि निगम रिकार्ड सहित यह बताए कि ये सफाईकर्मी किस-किस जगह पर काम कर रहे हैं। कचरा जमा होने पर उसे आठ दिनों में उठाया जाता है और कचरा फेंकने वालों पर कोई चालान नहीं हो रहा। इस पर अदालत ने न्यायमित्र को कहा कि यदि उन्हें राज्य सरकार के शपथ पत्र पर कोई आपत्ति है तो वे लिखित रूप में दें। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर भी राज्य सरकार ने शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर रहने का दावा किया था, लेकिन न्यायमित्र ने मौखिक रूप से आपत्ति दर्ज कराई थी।

'पांच हजार से अधिक करें जल कनेक्शन'

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि फील्ड अभियंता ठेकेदार फर्मों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनें और उनसे विभिन्न परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में आ रही समस्याओं पर फीडबैक लें।

डॉ. अग्रवाल मंगलवार को जल भवन में विभिन्न पेयजल परियोजनाओं एवं जल जीवन मिशन की प्रगति की वीसी के माध्यम से समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसीएस स्तर पर भी ठेकेदार फर्मों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन में प्रतिदिन होने वाले जल कनेक्शन की संख्या 3250 तक पहुंचने को अच्छा संकेत बताते हुए इसे 5 हजार से अधिक प्रतिदिन तक ले जाने के निर्देश दिए हैं।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में दिखेंगे साहित्य के बहुरंग

19 से 23 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित होगा

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया का सबसे मोहक साहित्यिक शो वर्ष 2023 में जयपुर में दस्तक देने को तैयार है। आज, फेस्टिवल के प्रोडूसर, टीमवर्क आर्ट्स ने फेस्टिवल के 16वें संस्करण की तारीखों की घोषणा की। ये संस्करण 19-23 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में आयोजित होगा। हर साल आयोजित होने वाला जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल हमेशा शानदार वक्ताओं और जरूरी सवालों को लेकर गुलाबी नगरी में हाज़िर रहता है।

फेस्टिवल इस साल भी अपनी मूल संकल्पनाओं के साथ जुड़ा रहेगा। विचारों का एक लोकतान्त्रिक, निरपेक्ष मंच जहाँ हर पक्ष को अपनी बात रखने की आज़ादी है। पिछले 15 सालों में इस आइकोनिक फेस्टिवल ने देश-विदेश के लगभग 5000 वक्ताओं की मेजबानी की है, और दुनिया भर के 200 मिलियन से ज्यादा लोगों तक अपनी पहुँच बनाई है। फेस्टिवल के हाइब्रिड वर्जन के माध्यम से विभिन्न देश और द्वीपों के पाठक इससे जुड़े हैं।

2023 में, इस साहित्योत्सव में साहित्य, संवाद, संगीत प्रस्तुति, कला, वस्तुओं और स्थानीय व्यंजनों के माध्यम से श्रोताओं के सम्मुख अनेक रंग प्रस्तुत किये जायेंगे। फेस्टिवल में 5 वेन्यु और 250 से अधिक वक्ताओं के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओँ और कई विदेशी भाषाओँ का प्रतिनिधित्व किया जायेगा।

■ पहली सूची में 25 वक्ता शामिल

वक्ताओं की घोषित पहली सूची में 25 वक्ता शामिल हैं। 2021 के लिए साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित, प्रसिद्ध कवयित्री, अनुवादक और लेखिका अनामिका, बहुचर्चित और हाल में प्रकाशित नोमैड्स: द वांडरर्स हू शेप्ड आवर वर्ल्ड के लेखक एंथनी साटिन, डीएससी प्राइज के लिए शोर्टलिस्टेड और प्रतिष्ठित ग्रेटियन प्राइज के लिए नामांकित होने वाले श्रीलंकाई लेखक अशोक फेर्रे, इंग्लिश फिक्शन लिखने वाले भारत के सबसे कामयाब लेखक अश्विन सांघी, प्रतिभाशाली नागा लेखक अविनो किरे जिनका हाल ही में प्रकाशित हुआ उपन्यास है। वेयर द कोबल्ड पाथ लीड्स, अपनी किताब गर्ल, वुमन, अदर के लिए बुकर प्राइज जीतने वाली पहली मिक्स्ड-रेस महिला लेखिका बेर्नार्दिन एवारिस्तो, दो बार बुकर प्राइज के लिए शोर्टलिस्ट हुए शिगोज़ी ओबिओमा, इंटरनेशनल बुकर जितने वाले उपन्यास रेत समाधी/टोम्ब ऑफ़ सेंड की अनुवादक डेजी रॉकवेल, भारत की जानी-मानी अभिनेत्री, डायरेक्टर और लेखिका दीप्ति नवल।

लिस्ट में शामिल अन्य नाम हैं, बुकर प्राइज विजेता ब्रिटिश उपन्यासकार होवार्ड जैकबसन, मुंबई में रहने वाले कवि, उपन्यासकार, कहानी लेखक, अनुवादक और जाने-माने पत्रकार जैरी पिंटो, नेशनल बुक अवार्ड और /फोक्नर अवार्ड की लॉन्ग लिस्ट में शामिल रही किताब इंटीमेसीज की लेखिका कैटी कितामुरा, गणित के नामी प्रोफेसर और द बिग बैंग ऑफ़ नम्बर्स, हाउ टू बिल्ड द यूनिवर्स यूजिंग ओनली मैथ के लेखक, मनिल सूरी, द रिटन वर्ल्ड और द लैंगुएज ऑफ़ थीव्स के पुरस्कृत और कामयाब लेखक मार्टिन पुकनर, तुर्की-अमेरिकी लेखिका, अकादमिक, और साहित्यिक समीक्षक मेर्वे एमरे, वर्ष 2022 में बुकर प्राइज के लिए शोर्टलिस्ट हुई किताब ग्लोरी की लेखिका नोवायलेट बुलावायो, भारतीय लेखिका, ब्लॉगर और अनुवादक राणा सफवी, बुकर के लिए नामांकित अमेरिकी-कनाडाई लेखिका, फिल्ममेकर और जेन-बुद्धिस्ट प्रीस्ट रुथ ओज़ेकी।

फेस्टिवल में शामिल अन्य वक्ताओं में कामयाब किताब एम्पयारलैंड, हाउ इम्पेरिअलिस्म हैस बीन शेप्ड मॉडर्न ब्रिटेन के लेखक सथनाम संघेरा, बुकर शोर्टलिस्टेड द सेवेन मून्स ऑफ़ माली अल्मिदा के लेखक शेहान करुनातिलक, 2019 के साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार के विजेता, तनुज सोलंकी, न्यू यॉर्क टाइम्स एडिटर'स चॉइस द इममोर्टल किंग राव की लेखिका वाहुनी वारा, अमेरिकी इतिहासकार और अकादमिक विन्सेंट ब्राउन, जाने-माने भारतीय पत्रकार और भारतीय पत्रकारिता के इतिहास के सबसे युवा संपादक वीर सांघवी।

प्रदेश में मंगलवार को केवल 8 जिलों में ही 31 नए करोना संक्रमित मिले

पिछले चौबीस घंटों में 25 जिलों में कोई भी नया मरीज सामने नहीं आया है

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को केवल 8 जिलों में ही 31 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस दौरान राज्य में 104 मरीज ठीक भी हुए हैं। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में एक संक्रमित की मौत हुई है।

प्रदेश में थोड़े-बहुत उतार चढ़ाव के बीच नए करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही है। राज्य में मंगलवार को 31 नए मरीज सामने आए हैं। राहत की बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में 25 जिलों में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। इस बीच जयपुर और राजसमंद में 9-9, कोटा में 7, बीकानेर में 2 तथा उदयपुर, पाली, अलवर और

■ जयपुर और राजसमंद में 9-9 नए संक्रमित पाए गए हैं।

■ जयपुर में मंगलवार को करोना से एक मरीज की मौत हो गई है।

बांसवाड़ा में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 2918 सैम्पल लिए गए हैं। प्रदेश में मंगलवार को भी नए संक्रमितों के मुकाबले में तीन गुना ज्यादा रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 104 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 566 रह गए हैं। जयपुर में मंगलवार को 24 और मरीजों के स्वस्थ होने से 118 एक्टिव केस रह गए हैं। उधर राज्य में मंगलवार को तीन दिन बाद करोना से फिर एक मरीज की मौत हुई है। इस दौरान जयपुर में एक संक्रमित ने इलाज के दौरान दमतोड़ दिया। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9640 लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में मंगलवार को 7 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें मालवीय नगर में 2 तथा आदर्श नगर, अम्बावाड़ी, चौड़ा रास्ता, घाटगेट, जगतपुरा और मालवीय नगर में इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 2 संक्रमितों का पता गलत पाया गया है।

सड़क का शुभारंभ

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 150 तख्ते शाही रोड पर जेडीए द्वारा 40 लाख रुपये लागत से बन रही डामर सड़क का शुभारंभ किया। स्थानीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली ने बताया तख्ते शाही रोड काफी समय से टूटी हुई थी।

न्यायिक शक्तियों का प्रयोग सीमा से बाहर जाकर न करें : अदालत

जयपुर, (का.सं.)। न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर (प्रथम) के पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार द्वितीय ने सहायक पुलिस उपायुक्त एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट, जयपुर (पूर्व) के पीठासीन अधिकारी कमल सिंह शेखावत को चेतावनी दी कि जो न्यायकि शक्तियां उन्हें दी है उनका प्रयोग कानून की परिसीमा के बाहर जाकर नहीं करे।

■ अदालत ने सहायक पुलिस उपायुक्त को चेतावनी दी

साथ ही अपीलार्थी को दोषी अधिकारी के विरूद्ध विधि अनुसार कार्यवाही करने के लिये निर्णय सुनाया। अदालत ने यह आदेश रामानन्द मीणा की अपील पर दिये। प्रार्थी रामानन्द मीणा की ओर से अधिवक्ता हेमन्त कुमार खोलिया, विनोद कुमार काठा, पुनीत शर्मा ने पैरवी की।

पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

जयपुर। खिरणी फाटक के पास मंगलवार सुबह एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मॉर्निंग वॉक कर रहे लोगों ने 100 नम्बर पर पुलिस को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने पर झोटवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल को मौके पर बुलाया। जिसके बाद शव को नीचे उतार कर कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने बताया क मृतक की पहचान बुद्धि प्रकाश कुमावत के रूप में हुई है। वह झोटवाड़ा इलाके की शिल्प कॉलोनी का रहने वाला है। अभी तक मिली जानकारी में सामने आया है कि गृह क्लेश से तंग आकर उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मौके पर पहुंचे एफएसएल की टीम ने बताया कि मृतक ने दो से तीन घंटे पहले ही सुसाइड किया हैं। उसके पास किसी भी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि वह सुसाइड करने के लिए पेड़ पर काफी उंचाई तक चढ़ा। जब कि वह चाहता तो नीचे वाली डालियों में ही सुसाइड कर सकता था। इस विषय को लेकर भी जांच की जा रही है।

राजफैड ने किसानों से समर्थन मूल्य पर 2915 करोड़ रुपये की फसल खरीदी

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा (बीच में) ने राजफैड की साधारण सभा को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव सहकारिता एवं प्रशासक राजफैड श्रेया गुहा ने कहा कि राजफैड द्वारा खरीफ एवं रबी सीजन 2021 में समर्थन मूल्य पर 1351.27 करोड़ एवं रबी सीजन 2022 में 1564 करोड़ रूपये की फसल समर्थन मूल्य पर खरीदी गई। जिसमें 549.89 करोड़ रुपये का गेहूँ, 712.31 करोड़ रुपये के मूंग, उड़द एवं मूंगफली तथा चने की 1653.78 करोड़ रूपये की खरीद की गई।

गुहा ने मंगलवार को राजफैड की 66वीं वार्षिक साधारण सभा को वर्चुअल तरीके से संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि किसानों से समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत दलहन-तिलहन की खरीद का ऑनलाइन भुगतान किसानों के खातों में तीन दिवस में करने का प्रयास किया गया। जिसकी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं नेफेड अधिकारियों द्वारा सराहना की गयी। नेफेड द्वारा भी अन्य राज्य संघो को कहा है कि राजफैड द्वारा किसानों के भुगतान के लिए लागू की गई ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाये। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के केवीएसएस सहयोग से खरीफ 2021 में 876 क्रय केन्द्र एवं रबी 2021 में सरसों-चना हेतु 1566 क्रय केन्द्र स्थापित कर किसानों को उनके3 जिन्स का उचित लाभकारी मूल्य दिलवाया गया है। काश्तकारों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराना और उनकी कृषि उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना हमारा पहला कर्तव्य है। इस वर्ष की बजट घोषणा के तहत अगस्त 2022 तक 36885 मीट्रिक टन डीएपी एवं 49032 मीट्रिक टन यूरिया का अग्रिम भण्डारण किया गया है।

गुहा ने कहा कि राजफैड द्वारा पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता का पशुआहार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष अप्रेल 2021 से अगस्त 2022 तक 11157 मीट्रिक टन पशुआहार का उत्पादन किया गया। पशुपालकों को 11 हजार से अधिक मीट्रिक टन पशुआहार का विक्रय किया गया।

ऐसी क्या जल्दी थी जो सौम्या गुर्जर का नाम चाकू से कुरेद-कुरेदकर हटाया?

उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने ग्रेटर निगम कमिश्नर महेन्द्र सोनी को पत्र लिखकर नाराजगी जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सौम्या गुर्जर की बर्खास्तगी के बाद जयपुर ग्रेटर महापौर कार्यालय से उनका नाम चाकू से कुरेदकर हटाने पर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल पूर्व निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले की न्यायिक जांच के आधार पर राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को महापौर पद से बर्खास्त कर दिया। साथ ही निगम की सदस्यता खत्म करते हुए 6 साल तक निकाय चुनाव लड़ने पर भी प्रतिबंध लगा दिया। सरकार के इस आदेश के बाद नगर निगम प्रशासन ने भी सौम्या गुर्जर की गाड़ी और तमाम सभी सुविधाएं वापस लेने के आदेश जारी कर दिये।

इसी बीच नगर निगम प्रशासन द्वारा महापौर कार्यालय से सौम्या गुर्जर की नेम प्लेट हटाने के तरीके को लेकर भाजपा पार्षदों ने नाराजगी जताई है। महापौर कक्ष के बाहर गेट के ऊपर गुलाबी रंग के बोर्ड पर सौम्या गुर्जर नाम अंकित था। भाजपा पार्षदों का आरोप है कि अधिकारियों के निर्देश पर कर्मचारियों ने चाकू से कुरेद-कुरेदकर नाम हटाया। इसे लेकर उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने

भी कड़ी आपत्ति जताई है। उप महापौर ने ग्रेटर नगर निगम कमिश्नर महेंद्र सौनी को नोटशीट भेजकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस काम में लिप्त कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कर्णावट ने नोटशीट में लिखा है कि सौम्या गुर्जर के नाम को चाकू से कुरेद-कुरेदकर हटाना निंदनीय कृत्य है। मैं यह समझने में असमर्थ हूं कि आखिर किसके निर्देश हैं। आखिर ऐसी क्या आफत आन पड़ी कि नाम को इस तरह से हटाया गया। राज्य सरकार का आदेश अंतिम आदेश नहीं है। इसे लेकर न्यायिक फोरम पर चुनौती भी दी जाएगी, लेकिन यह कृत्य निंदनीय है।

■ सरकार तो पहले भी सौम्या गुर्जर को महापौर पद से हटा चुकी थी, लेकिन अदालती राहत पर उन्होंने वापसी करके पुनः कुर्सी संभाली, राज्य सरकार का यह आदेश भी कोई अंतरिम नहीं था : उपमहापौर

सौम्या गुर्जर के हाईकोर्ट पहुंचने से पहले सरकार ने दायर की केविएट

जयपुर (कासं)। ग्रेटर महापौर पद से बर्खास्तगी और 6 साल के लिए चुनाव लड़ने के आदेश को सौम्या गुर्जर द्वारा चुनौती देने की संभावना देखते हुए राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में केवियट पेश की है।

ऐसे में यदि सौम्या गुर्जर हाईकोर्ट में याचिका दायर करती है तो अदालत किसी भी तरह का अंतरिम आदेश देने से पहले राज्य सरकार का भी पक्ष सुनेगी। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता की ओर से दायर केविएट में कहा है कि इस मामले में हाईकोर्ट कोई भी अंतरिम आदेश देने से पहले राज्य सरकार का पक्ष भी सुना जाए। गौरतलब है कि राज्य के स्वायत्त शासन विभाग ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर वार्ड संख्या 85 की सदस्य व ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर को न्यायिक जांच में दोषी पाए जाने पर राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत कार्रवाई करते हुए उनकी सदस्यता को खत्म कर उन्हें मेयर पद से हटा दिया है। वहीं उन्हें छह साल के लिए चुनाव लडने के लिए अयोग्य भी ठहराया गया है। राज्य सरकार की इस कार्रवाई को सौम्या के हाईकोर्ट में चुनौती देने की संभावना के चलते राज्य सरकार ने केविएट दायर की है। ताकि सरकार की पहले की तरह कोई किरकरी नहीं हो।

अनुकम्पा नियुक्ति के 47 प्रकरणों में शिथिलता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजकीय कार्मिक की मृत्यु के उपरांत आश्रित द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन के 47 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। गहलोत के इस संवेदनशील निर्णय से मृतक आश्रित परिवारों को संबल मिल सकेगा।

गहलोत ने कार्मिक की मृत्यु उपरान्त निर्धारित अवधि निकलने के बाद बालिग होने के उपरांत 3 वर्ष तक की विलम्ब अवधि में शिथिलन के 17 प्रकरण, आवेदन में विलम्ब के 28 प्रकरण तथा अधिक आयु सीमा में शिथिलन के 2 प्रकरणों में सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए यह शिथिलता दी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बीते करीब 3 साल में अनुकम्पा नियुक्ति के 1282 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान कर आवेदकों को राहत प्रदान की जा चुकी है। इस अवधि में 3702 मृतक आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्तियां भी दी गई हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर में बस की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

जयपुर (कासं)। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में मंगलवार को टनल के पास रोडवेज की अनुबंधित बस ने स्कूटी सवार महिला को कुचल दिया। सुबह करीब पौने 12 बजे तेजी से आ रही बस ने स्कूटी को पीछे से चपेट में लिया। महिला बस के टायर के नीचे आ गई। शरीर का आधा हिस्सा बुरी तरह से कुचल जाने के कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि मृतका की पहचान राम नगर मच्छ की पीपली, गोनेर निवासी प्रीति अग्रवाल (36) के रूप में हुई है। प्रीति घर से स्कूटी लेकर निकली थी, वहां यहां ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड पर गंगापुर जा रही अपनी मां को कुछ सामान देने आई थी। मां से मिलने से पहले ही हादसे में उसकी मौत हो गई। घटनास्थल से कुछ दूरी पर उनकी मां मिल गई, जिनके मोबाइल से पुलिस ने प्रीति के पति को घटना की जानकारी दी। दुर्घटना के बाद चालक बस छोड़कर भाग गया। पुलिस बस जब्त कर मामले की जांच कर रही है। प्रीति के पति विजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि प्रीति की मां गंगापुर की रहने वाली है।

राज्य के चुनावों में 180 से अधिक सीटें जीतेगी भाजपा : मदन दिलावर

'भारत के 30 हजार मंदिरों पर वक्फ बोर्ड ने अपना होने का दावा कर रखा है'

भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक मदन दिलावर।

सीकर, (निस) । भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक मदन दिलावर का कहना है कि देश में कुछ ज्वलंत मुद्दे ऐसे है जिसके कारण से देश कभी भी गुलाम हो सकता है। कांग्रेस सरकार के समय कुछ मुद्दे ऐसे छोड़े गये थे कि भारत वापस गुलाम कैसे हो। यह बात दिलावर ने मंगलवार को सर्किट हाऊस में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसकी नींव 1964 में वक्फ अधिनियम लागू कर रखी थी। उसमें संशोधन 1995 व 2013 में किया गया। 2013 में हुए संशोधन में वक्फ बोर्ड के जो कोई भी दो सदस्य है वो यह माने ले कि यह संपत्ती वक्फ बोर्ड की है उसको वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में इंद्राज कर सकते हैं । इसके लिए उनको किसी साक्ष्य की भी जरूरत नहीं है। इसके लिए वो जिला कलेक्टर को कह सकते हैं कि यह संपत्ती वक्फ बोर्ड की है उसको खाली कराना है।

जिसमें जिला कलेक्टर को भी पाबंद किया गया है कि 72 घंटे में उस संपत्ती को खाली कराना पड़ेगा जिसको वक्फ बोर्ड अपनी मानता है। लेकिन जिसकी संपत्ती जा रही है वह व्यक्ति किसी भी कोर्ट में वाद दायर नहीं कर सकता है। इसके लिए उसको वक्फ ट्रिब्यूनल में जाना होगा। उस ट्रिब्यूनल कोर्ट के सदस्यों का निर्णय ही अंतिम होगा, उसके खिलाफ किसी कोर्ट में सुनवाई का प्रावधान नहीं रखा गया है।

- **'आबादी के 1.5 प्रति. से अधिक होने पर अल्पसंख्यक नहीं हो सकते'**

उन्होंने कहा कि इसके कारण से उनके अनुसार भारत में ऐसे 30 हजार मंदिरों पर वक्फ बोर्ड ने दावा कर रखा है। उन मंदिरों के संचालकों ने उसके खिलाफ किसी भी कोर्ट में दावा किया तो उनका दावा खारिज कर दिया कि आप वक्फ बोर्ड के खिलाफ दावा व अपील नहीं कर सकते हैं। दिलावर ने कहा कि यह कांग्रेस ने एक बहुत बड़ा षडयंत्र देश को गुलाम बनाने के लिए रचा था। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में कहीं भी नहीं लिखा है कि अल्पसंख्यक कौन होगा, कैसे होगा। ना ही यह बात किसी कानून में लिखी है। हां, संयुक्त राष्ट्र में इसकी परिभाषा जरूरी लिखी है। 1.5 प्रतिशत यानि किसी राज्य में हैं तो वे अल्पसंख्यक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि इससे ज्यादा होंगे तो वे अल्पसंख्यक नहीं होंगे। फिर भी हमारे देश में अल्पसंख्यक कहके अल्पसंख्यकों का लाभ दिया गया है। राज्य में चल रहे मौजूद घटनाक्रम पर दिलावर ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा 180 से अधिक जीतेगी। कांग्रेस से जनता परेशान हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यूपी की तरह राजस्थान में भी कांग्रेस की यदि 1 सीट भी आ जाए तो कोई बड़ी बात नहीं। इस दौरान जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी, पूर्व विधायक प्रेमसिंह बाजौर, बंशीधर बाजिया, रतनलाल जलधारी, गोरधन वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मोदी, सेवा पखवाड़ा के संयोजक डॉ. कमल सिखवाल, मीडिया प्रभारी जितेंद्र माथुर, प्रवक्ता ओमप्रकाश बिजारणियां आदि मौजूद थे।

'राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाये'

सेवा पखवाड़ा के तहत गायों को खिलाया चारा व औषधीय लड्डू

कोटा, (निसं)। कोटा प्रवास पर आये भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, कोटा संभाग संगठन प्रभारी तथा चित्तौड़ सांसद सीपी जोशी का जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी सहित पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर व पार्टी दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। सांसद सीपी जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के तहत अनेकों सेवा कार्य किए जा रहे हैं। कोटा शहर में आज सेवा पखवाड़ा के तहत जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी सहित पदाधिकारियों ने गोदावरी धाम पर बालाजी महाराज के दर्शन किये। इसके पश्चात गोदावरी धाम पर गौशाला में गायों को हरा चारा तथा लंपी रोग से बचाव के लिए औषधीय लड्डू खिलाए। सेवा पखवाड़ा के तहत आत्म निर्भर भारत, वोकल फोर लोकल के तहत खादी ग्रामोद्योग भण्डार कोटा से सांसद सीपी जोशी तथा जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, जिला महामंत्री जगदीश जिन्दल, मुकेश विजय, चंद्र शेखर नरवाल, उपाध्यक्ष नेता खण्डेलवाल, लक्ष्मण सिंह खिंची आदि पदाधिकारियों ने भारत देश में बने उत्पादों को प्रोत्साहन स्वरुप खरीददारी की।

सांसद सीपी जोशी ने बताया कि राजस्थान में पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने के लिए विधायकों सहित होटलों में बैठे रहे, जनता कोरोनाकाल में परेशान होती रही,

- **आम जनता कुर्सी की लोभी नकारा कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने को तैयार : सांसद जोशी**

उस समय भी कांग्रेस सरकार ने आमजनता की सुध नहीं ली। आज भी कुर्सी के लोभ में कांग्रेस विधायकों ने अपने इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिये फिर भी सभी सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, मंत्री ट्रांसफर लिस्ट जारी करवा रहे हैं। इधर राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त पड़ी है। गायें लंपी महामारी से ग्रसित हैं। आज भाजपा के कार्यकर्ता ही गायों की सेवा, चारा डालना, औषधीय लड्डू खिलाने का कार्य कर रहे हैं। राजस्थान की जनता को झूठ बोलकर, झूठे वादे करके कांग्रेस सरकार ने राजस्थान की सत्ता को हासिल किया है। आमजनता से किये वादे पूरे नहीं किये, नवयुवाओं को रोजगार देने का वायदा, किसानों को कर्ज माफी का वायदा सभी झूठ के पुलिंदे निकले। राजस्थान की जनता अपने आपको ठगा सा महसूस कर रही है।

सांसद सीपी जोशी ने बताया कि राजस्थान की कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। अपराधी बेखोफ होकर अपराधों को अंजाम दे रहे है। महिलाओं पर अत्याचार के मामले बढ़े। आये दिन लूटखसोट, चोरी, डकेती, के मामले बढे। महिलायें, आमजन अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। राजस्थान की जनता कांग्रेस के कुशासन से परेशान हो चुकी है। जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में आम जनता इस नाकारा सरकार को उखाड़ फेंकेगी। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान राज्यपाल से आग्रह करती है कि वर्तमान में कांग्रेस सरकार के विधायकों ने अपने इस्तीफे दे दिये है। सरकार नाम की चीज नहीं बची। शीघ्र कांग्रेस सरकार को बर्खास्त कराकर, राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाये।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सांसद सीपी जोशी, जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, मुकेश विजय, चंद्रशेखर नरवाल, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह खींची, रितेश चित्तौड़ा, नेता खंडेलवाल, देवेन्द्र राही, संतोष बैरवा, जिला मंत्री हरिहर गौतम, रेखा खेलवाल, सीमा भारद्वाज, गोपाल कृष्ण सोनी, सोशल मिडिया संयोजक सार्थक शर्मा, सहसंयोजक हिमांशु सैनी, मण्डल अध्यक्ष दिनेश शर्मा, अनिल शर्मा, मण्डल संयोजक पंकज वात्स्य, महामंत्री दीपक जैन, जय प्रकाश शर्मा, शिव कुमार गौतम, सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मारपीट की घटनाओं को लेकर मामला दर्ज

भीलवाडा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच मारपीट की दो घटनाओं को लेकर पुलिस ने क्रॉस केस दर्ज किया है। इसमें एक पक्ष ने युवक पर तलवार, चाकू व स्टिकों से जानलेवा हमला कर नकदी व चेन लूटने का, जबकि दूसरे पक्ष ने तीन लोगों से मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपों की जांच शुरु कर दी।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, फर्नीचर का कार्य करने वाले मोहम्मदी कॉलोनी, शास्त्रीनगर निवासी 57 वर्षीय फारुख मंसूरी पुत्र अब्दुल हुसैन बक्ष ने रिपोर्ट दी कि उनका बेटा समीर मंसूरी बाल कटवाने के लिए सौलंकी टाकिज के बाहर खड़ा था। इस दौरान मुस्ताक चौहान, मकसूद चौहान सहित अन्य लोग चाकू, तलवारें, पाइप, सरिये व स्टिकें लेकर आये और समीर मंसूरी को जान से मारने की नीयत से जानलेवा हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेसूध होकर गिर गया। उसे मरा समझकर आरोपित वहां से चले गये। जाते समय समीर की जेब से दस हजार रुपये व गले से सोने की चेन लूट ली गई, वहीं दूसरे पक्ष की ओर से रजाई गद्दे का काम करने वाले मोहम्मदी कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय मोहम्मद शरीफ पुत्र अब्दुल करीम मंसूरी ने रिपोर्ट दी कि उनके भाईहाजी हबीब पुत्र अब्दुल करीम ने परिवादी को बताया कि मोनू और साहिल के साथ फारुख बडगुजर मंसूरी व समीर मंसूरी आदि ने मारपीट की है।

थाने में रिपोर्ट देनी है, इसलिए मैं थाने आ रहा हूं। तुम भी आ जाओ। परिवादी थाने के बाहर पहुंचा तो उसके साथ फारुख मंसूरी, रिहाना मंसूरी, रियाज मंसूरी ने मारपीट करना शुरू कर दिया। परिवादी ने थाने में शरण लेकर जान बचाई। मारपीट से आंख के नीचे, गर्दन के पास चोट आई। पुलिस ने परस्पर केस दर्ज कर जांच एएसआई रशीद मोहम्मद के सुपुर्द की है।

डोडा पोस्त की तस्करी करते दो पकड़े

बोलेरो गाड़ी में अवैध डोडा पोस्त तस्करी कर ले जाते गिरफ्तार आरोपी कैलाश सिंह रावत व जगदीश सिंह मीणा।

सादुलपुर, (निस)। आईजी बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा मादक पदार्थो, अवैध आर्म्स एक्ट की रोकथाम व हार्डकोर अपराधी तथा तस्करों के खिलाफ चलाये विशेष अभियान के चलते जिला पुलिस अधीक्षक चूरू दिगंत आनन्द के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ अशोक बुटोलिया, वृताधिकारी वृत राजगढ बृजमोहन असवाल व कृष्ण कुमार बलोदा सीआई राजगढ के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम चूरू की आसूचना पर थाना राजगढ के सुरेन्द्र कुमार उपनिरीक्षक ने मय जाब्ता के कार्यवाही करते हुए बोलेरो गाड़ी में 74 किलो अवैध डोडा पोस्त परिवहन करते आरोपी कैलाश सिंह रावत पुत्र पूर सिंह जाति रावत उम्र 29 साल निवासी

- **आरोपियों से बोलेरो गाड़ी सहित 74 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया**

मरावदिया थाना व तहसील बड़ी सादड़ी जिला चितौडगढ व जगदीश सिंह मीणा पुत्र नानूराम जाति मीणा उम्र 24 साल निवासी बढ वल केवलपुरा तहसील व थाना बड़ी सादड़ी चितौडगढ को गिरफ्तार किया गया है।

बोलेरो गाड़ी में 74 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त कर आरोपियों के खिलाफ राजगढ थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रथम पुछताछ में आरोपी कैलाश सिंह रावत व जगदीश सिंह मीणा द्वारा काले रंग के कट्टों में भरकर अवैध डोडा पोस्त बोलेरो गाड़ी में परिवहन किया जा रहा था। वहीं प्रकरण का अनुसंधान उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार दलीप सिंह उपनिरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना सिद्धमुख को सौंपा गया है। कार्यवाही में डीएसटी टीम चूरू के सुरेन्द्र राणा उनि, मुकेश कुमार कानि, अजय कुमार कानि, मोहरपाल सिंह कानि, सुष्मित कानि, रोशनलाल कानि, कुलदीप कानि, मुकेश भाकर कानि, धन्नाराम कानि, विक्रम कानि, प्रमोद कुमार कानि, रामफल कानि व भीमसिंह डीआर आदि पूरी डीएसटी टीम चूरू की अहम भूमिका रही।

युवती के साथ दुष्कर्म, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। फिल्मी दुनिया में हिरोईन बनाने का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाले फर्जी आर्मीमेन के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्रकरण के अनुसार पीडित ने आरोपी शुभमकांत नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि दो माह पूर्व मेरी पुत्री घुमने के लिए केदारनाथ गई थी। जहां आरोपी से संपर्क हुआ । इस दौरान दोनें के बीच बातचीत होने पर आरोपी ने स्वयं को आर्मी मैन बताया तथा फिल्मी दुनिया में संपर्क होने की बात कही तथा पीड़िता ने हिरोईन बनने की इच्छा जताई थी। दोनों के बीच नजदीकिया बढ़ गई। अगस्त माह में आरोपी से बातचीत होने पर उसने मुझे बुलाया था। लेकिन रास्ता नहीं जानने की बात कहने पर आरोपी मुझे उदयपुर लेने आया तथा अपने साथ ले गया। जहां एक माह तक बंधक बना कर दुश्कर्म किया। इधर 13सितंबर को पुत्री के लापता होने पर पिता ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। गत दिनों पीडिता को दस्तियाब करने पर उसने आप बीती बताई।

तीन लाख कीमत का 9 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर पुलिस ने गत तीन दिनों में दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित युवक को गिरफ्तार किया। युवक के कब्जे से 9 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद की गई जिसकी बाजार की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपए बताई गई है।

सीआई डॉ रवीश सामरिया ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर चूनाराम जाट के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम व मादक पदार्थो का क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई व इन पर अंकुश लगाने के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए हेतु एसपी चुनाराम जाट ने निर्देशित किया है कि संगठित गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम रखने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला स्पेशल टीम व थाना अधिकारी पुलिस थाना पुष्कर अजमेर को मादक पदार्थों के संबंधित अधिकृत किया गया है। इसमें पुलिस टीम का गठन किया गया। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण वैभव शर्मा सीओ ग्रामीण इस्लाम खान पुष्कर थाना क्षेत्र में सीआई डा रवीश सामरिया द्वारा टीम का गठन कर नशे का सेवन करने वाले व तस्करी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई किए गए। इसी क्रम में टीम द्वारा मंगलवार को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए रामधाम के पास अजमेर रोड पुष्कर थाना क्षेत्र से अभियुक्त विजय सिंह पुत्र वीर सिंह जाति देवी पूजक गुजराती 35 वर्ष निवासी ग्राम सहारनपुर पुलिस थाना बोटाज जिला भावनगर गुजरात हाल आईडीएसएमटी कॉलोनी माधव नगर के पास संयास आश्रम के सामने अजमेर रोड पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से अवैध 9 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद की जाकर मुलजिम को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण दर्ज किया।

स्कूटी में लगी आग से मची अफरा तफरी

- **चार्जिंग के दौरान बम की तरह फटी इलेक्ट्रिक स्कूटी**
- **घटना में बाल बाल बचे परिवार के लोग**

कुम्हेर (निस)। काफी समय से इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने के कई मामले सामने आए हैं। वहीं कुम्हेर थाना अंतर्गत गांव अवार में आग लगने का ताजा मामला सामने आया है।

गांव अवार निवासी नरपत सिंह ने बताया कि बैटरी वाली इलेक्ट्रिक स्कूटी से मैं घर पर आया घर पर आते ही मैंने स्कूटी चार्जिंग में लगा दी चार्जिंग के दौरान 5 मिनट बाद बैटरी वाली स्कूटी को चार्ज करते समय उसकी बैटरी में अचानक विस्फोट हो गया और स्कूटी धूं धूं कर पूरी तरह जलकर राख हो गई। यह घटना देर रात अवार गांव में हुई जब स्कूटी मालिक नरपत सिंह जाट ने इलेक्ट्रिक स्कूटर को चार्ज करने के लिए अपने घर में रखा था। इस घटना में सबसे अच्छी बात यह रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई।

लुनिया माइनर पर किसानों का धरना चौथे दिन भी जारी

अनूपगढ, (निसं)। लुनिया माइनर और एनडी माइनर के किसानों के द्वारा मंगलवार को लुनिया माइनर पर अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी है। दोनों माइनरों के किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है।

किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी जाती तो, वे इस से भी तेज आंदोलन करेंगे। किसान नेता जगदीश राव ने बताया कि सिंचाई विभाग के द्वारा लुनिया माइनर और एंडी माइनर के मोघो के साथ छेड़छाड़ कर उनका साइज छोटा कर दिया गया है। मोघो का साइज छोटा होने के कारण किसानों को निर्धारित और पर्याप्त मात्रा में सिंचाई पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिससे किसानों की फसलें खराब होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष मदन श्योराण ने बताया कि पूर्व में सिंचाई विभाग के अधिकारियों और किसानों के बीच में लिखित समझौता हुआ था, कि मोघो को दुरुस्त करने के बाद मोघो की हाइड्रोलिक जांच करवाई जाएगी। किसानों ने आरोप लगाया है कि सिंचाई विभाग के अधिकारी अब वादाखिलाफी कर रहे हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा मोघो की हाइड्रोलिक जांच नहीं करवाई जा रही है। किसानों ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी जाती तो बुधवार को सभी किसान एकजुट होकर उपखंड कार्यालय का घेराव करेंगे और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान किसान नेता जगदीश राव,ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष मदन श्योराण, पूर्व सरपंच मुलाराम सिंगाठिया, पंचायत समिति सदस्य रामा देवी बावरी, पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि गोपाल डागला आदि उपस्थित रहे।

'नब्बे विधायकों के इस्तीफे से कांग्रेस सरकार अल्पमत में, गहलोत इस्तीफा दें'

- **'इतने बवाल के बाद भी गहलोत का मुख्यमंत्री बने रहना हास्यास्पद'**
- **'जो मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के आलाकमान के सगे नहीं हुए, वे जनता के सगे कभी नहीं हो सकते'**

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ चुकी है और अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सरकार चलाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह गया है। इसलिए उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा राज्यपाल को सौंप कर विधानसभा भंग करने की सिफारिश करनी चाहिए ताकि राज्य की जनता बेहतर तरीके से अपनी नुमाइंदगी करने वाले राजनीतिक दल को चुन सके।

देवनानी ने राज्य में कांग्रेस में चल रहे घमासान का जिक्र करते हुए मंगलवार को जारी बयान में कहा कि जो मुख्यमंत्री और कांग्रेस विधायक अपने आलाकमान के सगे नहीं हुए, वे जनता के सगे कभी भी नहीं हो सकते हैं। ऐसे मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। कांग्रेस में इतना ज्यादा बवाल होने के बाद भी गहलोत का मुख्यमंत्री बने रहना बड़ी हास्यास्पद और अचरज वाली बात है।

देवनानी ने कहा कि जब गहलोत खेमे के 90 विधायक विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप चुके हैं, तो वे अब विधायक ही नहीं रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस सरकार पूरी तरह अल्पमत में आ गई है। इसलिए गहलोत को तत्काल प्रभाव से राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपकर विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विधानभा भंग की जाती है, तो राष्ट्रपति शासन लागू हो जाएगा और फिर कुछ समय बाद विधानसभा चुनाव हो जाएंगे, तो जनता को अपने हितों की चिंता व रक्षा करने वाली पार्टी भाजपा को चुनने का अवसर मिल जाएगा।

देवनानी ने दावा किया कि अगली भाजपा सरकार निश्चित रूप से जनता की नुमाइंदगी करेगी और सुशासन देगी। जनता आज भी भाजपा को आशाभरी नजरों से देख रही है। जनता भाजपा को फिर से सत्ता में लाने का पूरी तरह मन बना चुकी है। देवनानी ने कहा कि वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव होने और कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से जनता दुखी है। यही नहीं, मुख्यमंत्री गहलोत जनता की फिक्र करने की बजाय अपनी सरकार को बचाने में जुटे रहे। पिछले चार साल से गहलोत सरकार डांवाडोल स्थिति में चल रही है और मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाए रखने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं।

देवनानी ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश में हालात बहुत ज्यादा विकट हो गए हैं। गहलोत अपना राजनीतिक वजूद खो चुके हैं। इसलिए सरकार चलाना अब उनके वश की बात नहीं है। यदि अपने खिलाफ इतना भारी विरोध होने के बाद भी गहलोत मुख्यमंत्री पद पर बने रहते हैं, तो इससे बड़ी शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। यदि कारण है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था भी दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है। सत्ता से कांग्रेस के बाहर हुए बिना प्रदेश में हालात सुधरने की उम्मीद बिल्कुल नहीं है।

शिक्षकों को बीएलओ लगाने का विरोध

कोटा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के जिला शैक्षिक अधिवेशन में शिक्षकों ने एक स्वर से राजस्थान में शिक्षकों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करने व निर्वाचन संबंधी बीएलओ आदि के गैर शैक्षिक कामों में लगाने का विरोध किया है।

दादाबाड़ी में आयोजित अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता राखी गौतम को बुलाया गया। उन्होंने कहा कि कहा कि सरकार शिक्षकों को भरोसेमंद मानती है शायद इसी लिए उन्हें इस काम में लगाया जाता है। लेकिन यदि किसी शिक्षक को तबादलों के नाम पर प्रताड़ित किया गया है तो ये यही नहीं है हम प्रयास करेंगे कि ऐसे शिक्षकों की मदद हो। नवरात्रा में माता रानी उनकी मदद करेंगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शहीद हेमराज मीणा की वीरांगना ने अपने पति की प्रतिमा को सांगोद के अदालत चौराहे पर लगानी की मांग दोहराई और शिक्षकों की पीड़ा का समाधन करने की मांग की। बाल कल्याण समिति के मानद मजिस्ट्रेट अरूण भार्गव ने कहा कि सरकार के मंत्रीगणों के सामने समस्या को रखा जाएगा।

सीमेंट से भरे ट्रोले ने खड़े ट्रोले के मारी टक्कर, चालक की मौत

देवली से सोडियम सल्फेट भरकर आगरा जा रहा था ट्रोला

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रोले।

निवाई, (निसं)। मंगलवार की सुबह करीब ढाई बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव मूण्डिया बाईपास पर स्थित मूंथला बाबा के स्थान के पास सीमेन्ट से भरे ट्रोले ने सड़क किनारे खड़े ट्रोले के टक्कर मार दी जिससे ट्रोला चालक की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सदर थाना अधिकारी नरेश कंवर ने बताया कि देवली से सोडियम सल्फेट भरकर एक ट्रोला आगरा जा रहा था। इसी दौरान ट्रोले में आवाज आने पर उसकी जांच करने के लिए चालक ने ट्रोला रोक दिया और टॉयर चैक करने लगा। ट्रोला खलासी दूसरी तरफ टॉयरों का चैक कर रहा था। इसी दौरान सीमेंट से भरे एक ट्रोले ने टक्कर मार दी जिससे ड्राइवर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और टक्कर से ट्रोला सड़क से नीचे चला गया। दुर्घटना से टक्कर मारने वाला ट्रोला भी उससे आगे चल रहे ट्रोले से जा टकराया जिससे दोनों ट्रोले भी क्षतिग्रस्त हो गए। ड्यूटी ऑफिसर भवानीसिंह ने बताया कि मृतक ट्रोला चालक सांवरमल उम्र 25 वर्ष पुत्र चंद्र नायक निवासी गांव थावला थाना नासिरदा तहसील देवली जिला टोंक था। पुलिस ने शव को 108 एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय लाकर मोर्चरी में रखवाया और परिजनों को सूचित किया। मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्गपर इस क्षेत्र के 5 किलोमीटर के एरिया में 3 दिन में लगातार तीन दुर्घटनाएं हो चुकी है जिसमें तीन लोगों की मौत हुई है।

एशिया कप के हर मैच से उन्होंने रन बनाये और सिर्फ रन ही नहीं बनाये बल्कि प्रदर्शन में सुधार भी हुआ हा। मुझे लगता है कि पावरगेम लौट आया है। उसका अपने पावरगेम पर भरोसा लौट रहा है। - संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विराट कोहली को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैग्नस कार्लसन

शतरंज विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने साथी ग्रैंडमास्टर हेन्स नीमैन पर उन्होंने जितना स्वीकार किया उससे अधिक धोखेबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ऐसे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नहीं खेलेंगे जो इस तरह के गलत काम में लिप्त हो। कार्लसन ने सोमवार देर रात बयान जारी किया जिससे एक हफ्ते पहले वह जूलियस बेयर जेनरेशन कप में इस अमेरिकी के खिलाफ सिर्फ एक चाल के बाद मुकाबले से हट गए थे। इससे पहले नॉर्वे के 31 साल के कार्लसन नीमैन के खिलाफ हैरान करने वाली हार के बाद सेंट लुई में सिंकफील्ड कप से भी हट गए थे।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

हॉकी ओलंपिक में भारत को पदक जिताना चाहती हूं : उपासना

बेंगलुरु, 27 सितंबर। हॉकी जगत में बड़ी छलांगें लगाने वाली भारत की युवा मिडफील्डर उपासना सिंह ने मंगलवार को खुलासा किया कि वह हॉकी से पहले क्रिकेट खेला करती थीं और अब वह हॉकी ओलंपिक में देश को पदक जिताना चाहती हूँ। उपासना ने कहा, मैं हमेशा से खेलों में रुचि रखती थी। मैंने क्रिकेट से शुरुआत की थी, लेकिन अपने कोच की सलाह पर हॉकी का रुख किया। उन्होंने कहा कि युवावस्था में हॉकी खेलते हुए उन्हें चोट लगी थी जिससे वह हॉकी खेलने के लिये और अधिक तत्पर हो गयीं। उपासना ने महज 11 साल की उम्र से हॉकी खेलने शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि हॉकी खेलते हुए मुझे कई बार चोट लगी और मैं हार नहीं मानी और दृढता और समर्पण भावना के साथ हॉकी खेलने का फैसला किया। उपासना के इस फैसले को उनके माता-पिता का समर्थन मिला, लेकिन उनके पड़ोसियों ने हॉकी खेलने के उनके फैसले पर सवाल उठाया था। उन्होंने बताया कि जब मैने हॉकी खेलनी शुरू की तो हमारे आसपास के लोग महिला हॉकी के बारे में नहीं जानते थे। आज स्थिति पूरी तरह से बदल गयी है। पिछले दशक में हमारी टीम के प्रदर्शन और हमारी उपलब्धियों की बदौलत हॉकी एक प्रसिद्ध खेल बन गया है। यहां तक कि मेरे परिवार के सदस्य भी अब चाहते हैं कि बेटियां हॉकी खिलाड़ी बनें। उपासना अपने हॉकी के सफर को आगे बढ़ाते हुए 2013 में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी चली गयीं और इसी साल जूनियर नेशनल करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपनी टीम को रजत पदक जीतने में मदद भी की। इसके बाद उपासना ने 2016 में सीनियर राष्ट्रीय में पदार्पण किया और एक बार फिर रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा रहीं।

इस सत्र में भी चार विदेशी खिलाड़ियों को ही खेलने की अनुमति मिलेगी आई लीग में

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने आई लीग क्लबों को मैच वाले दिन के लिए एक एशियाई सहित छह विदेशी खिलाड़ियों को टीम में रखने की अनुमति दे दी है लेकिन 29 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस सत्र में भी क्लब अंतिम एकादश में केवल चार खिलाड़ियों (मौजूदा 3 1 नियम के अनुरूप) को ही रख पाएंगे। पिछले सत्र में आई लीग क्लबों को छह विदेशी खिलाड़ियों को पंजीकृत करने की अनुमति दी गई थी लेकिन एक एशियाई खिलाड़ी सहित केवल चार खिलाड़ियों को ही मैच में भाग लेने की अनुमति मिली थी। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक घरेलू लीग में अधिक विदेशी खिलाड़ियों को रखने के पक्षधर नहीं हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे भारतीय खिलाड़ियों को कम मौके मिलेंगे। एआईएफएफ ने लीग समिति की बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, “ लीग समिति ने मैच के लिए टीम में विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर छह (पांच खिलाड़ी विश्व के किसी भी भाग से जबकि एक खिलाड़ी एशिया से) कर दी है।” विज्ञप्ति में कहा गया है, “ लेकिन इन छह खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में रखा जा सकता है। इन खिलाड़ियों में तीन विश्व के किसी भी भाग से जबकि एक एशियाई खिलाड़ी शामिल होगा।” इसके अनुसार, “ किसी विदेशी खिलाड़ी के स्थानापन्न के रूप में अन्य विदेशी खिलाड़ी या भारतीय खिलाड़ी मैदान पर उतर सकता है। इसी तरह से किसी एशियाई खिलाड़ी के स्थानापन्न के रूप में कोई एशियाई खिलाड़ी या भारतीय खिलाड़ी उतर सकता है।” बैठक की अध्यक्षता लीग समिति के नवनिर्वाचित प्रमुख लालनघिंग्लोवा हमर ने की, जो कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। बैठक में महासचिव शाजी प्रभाकरन और उप महासचिव सुनंदो धर ने भी हिस्सा लिया।

इंग्लैंड की भारत-पाक टेस्ट श्रृंखला की मेजबानी की पेशकश, बीसीसीआई की दिलचस्पी नहीं

लंदन, 27 सितंबर। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला की मेजबानी करने की औपचारिक पेशकश की है लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि निकट भविष्य में ऐसी कोई संभावना नहीं है। ब्रिटिश दैनिक 'टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष मार्टिन डार्लो ने मौजूदा टी-20 श्रृंखला के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ बातचीत की तथा भविष्य में तीन मैचों की श्रृंखला इंग्लैंड के मैदानों पर आयोजित करने की पेशकश की। ईसीबी ने जहां अपने फायदे के लिए यह पेशकश की है वहीं बीसीसीआई ने इस पर कहा अगले कुछ वर्षों में ऐसी कोई संभावना नहीं है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा, पहली बात तो यह है कि ईसीबी ने भारत-पाक श्रृंखला को लेकर पीसीबी से बात की है जो कि थोड़ा अजीब है। किसी भी तरह से पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला का फैसला बीसीसीआई नहीं बल्कि सरकार करेगी। अभी यथास्थिति बरकरार है। हम पाकिस्तान के खिलाफ केवल बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ही खेलेंगे।” भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला 2012 में भारत में खेली थी। यह सीमित ओवरों की श्रृंखला थी जबकि दोनों देशों के बीच आखिरी टेस्ट श्रृंखला 2007 में खेली गई थी। इन दोनों देशों के बीच तनाव पूर्ण राजनीतिक संबंधों को देखते हुए बीसीसीआई ने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए मना किया है फिर चाहे वह स्वदेश में खेली जाए या विदेश में या फिर किसी तटस्थ स्थल पर। समाचार पत्र ने ईसीबी की इस पेशकश के कारण भी गिनाए हैं। और टेलीविजन पर भी इन्हें काफी दर्शक देखेंगे।” समाचार पत्र ने हालांकि साफ किया है कि यहां तक कि पीसीबी भी भारत के खिलाफ किसी तटस्थ स्थल पर खेलने का इच्छुक नहीं है लेकिन उसने ईसीबी का आभार भी जताया है, जिससे दोनों देशों के बोर्ड के बीच बढ़ती घनिष्ठता का पता चलता है।”

दक्षिण अफ्रीका से पहला ट्वंटी-20 मुकाबला

दक्षिण अफ्रीका का अजेय रथ रोकना चाहेंगे रोहित शर्मा

दक्षिण अफ्रीका ने कभी भी भारत में टी-20 शृंखला नहीं हारी है

तिरुवनन्तपुरम, 27 सितंबर। भारतीय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सफल अभियान के बाद बुधवार को अजेय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 शृंखला की शुरुआत करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने कभी भी भारत में टी20 शृंखला नहीं हारी है, लेकिन कंगारुओं को 2-1 से हराने के बाद रोहित के रणबांकुरे इस सिलसिले को समाप्त करना चाहेंगे। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और विराट कोहली के बल्ले से निकले रन अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले बहुमूल्य हैं। सूर्यकुमार यादव ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में एक अद्धर्शतक से साथ 115 रन बनाये, और इन चारों बल्लेबाजों से यहां भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

अग्रणी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को आराम देकर इस शृंखला के लिये दीपक हुड्डा को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनकी पीठ में चोट लगने के कारण अंततः शाहबाज़ अहमद को टीम में रखा गया है। शाहबाज के खेलने पर हालांकि संशय बना हुआ है क्योंकि वह अगले महीने टी-20 विश्व कप के लिये ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं। विश्व कप टीम के अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल मोहम्मद शमी कोरोना से न उभर पाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 से भी बाहर रह सकते हैं। यदि ऐसा होता है उन्हें विश्व कप से पहले मैदान पर समय नहीं मिल सकेगा।

जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल हालांकि इस सीरीज में खेलेंगे और उन्हें टी20 विश्व कप से पहले मैदान पर पर्याप्त समय मिलेगा। चोट से लौटकर आये बुमराह और हर्षल का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विस्मरणीय रहा था। बुमराह ने दो मैच खेलकर छह ओवर में 72 रन दिये और एक विकेट झटका जबकि हर्षल ने तीन मैचों में आठ ओवर डालकर 99 रन देकर केवल एक विकेट झटका।

दक्षिण अफ्रीका इससे पहले जून में भी टी20 शृंखला के लिये भारत आयी थी, जब पांच मैचों की सीरीज 2-2 पर समाप्त हुई। दूसरी ओर, प्रोटियाज टीम की गेंदबाजी कागिसो रबाडा, आनरिक नॉर्खेया और तबरेज़ शम्सी की उपस्थिति में बेहद मजबूत है। पिछली सात पारियों में 223 रन बनाने वाले रीज़ा हेंड्रिक्स और इतनी ही पारियों में 202 रन बनाने वाले हेनरिक क्लासेन के साथ दक्षिण अफ्रीका यह शृंखला कब्जाने की प्रबल दावेदार है।

भारत में नयी गेंद का सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा : तेम्बा बावुमा

तिरुवनंतपुरम, 27 सितंबर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले कहा कि उनकी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती पारी के शुरुआती ओवरों में स्विंग होती तेज गेंदों का सामना करने की होगी। बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में हार का सामना करने के बाद तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला को 2-1 से जीतने पर भारतीय टीम की तारीफ की। ऑस्ट्रेलिया में अगले महीने से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह श्रृंखला दोनों देशों के लिए काफी अहम है।

बावुमा ने श्रृंखला की शुरुआत की पूर्व संध्या पर कहा, (भारत में) नयी गेंद के गेंदबाजों का सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा। वे गेंद को काफी अधिक स्विंग करते है। हम दक्षिण अफ्रीका में जिन परिस्थितियों के आदी है यहां भारतीय गेंदबाज उससे ज्यादा गेंद को स्विंग कराते है।” ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालांकि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज ज्यादा प्रभावित नहीं कर सके। तीसरे टी20 मैच में जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार ने सात ओवर में 79 रन लुटाये। इस श्रृंखला में आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल पटेल बुरी से तरह से विफल रहे। बावुमा ने कहा, “हमे यहां सफल होने के लिए शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने से बचना होगा। भुवनेश्वर और बुमराह जैसे गेंदबाज नयी गेंद से हमेशा मुश्किल चुनौती पेश करेंगे।” इस श्रृंखला के भुवनेश्वर को विश्राम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी बुमराह, उमेश यादव, हर्षल और अर्शदीप सिंह पर होगी।

पुरुष हॉकी विश्व कप 2023

भारत का पहला मुकाबला स्पेन से

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 27 सितंबर। हॉकी पुरुष विश्व कप ओडिशा 2023 में भारत का पहला मैच 13 जनवरी 2023 को स्पेन के खिलाफ होगा। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एफआईएच ने बताया कि यह मैच राउरकेला के नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 13 जनवरी को ही ओलंपिक 2016 की स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना और अफ्रीका की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम दक्षिण अफ्रीका के बीच उद्घाटन मैच के साथ होगी, जो भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस स्टेडियम ने पुरुष विश्व कप 2018 के फाइनल की मेजबानी भी की थी। महासंघ ने बताया कि भुवनेश्वर में दिन का दूसरा मैच दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस के बीच होगा। दूसरी ओर, राउरकेला का नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम अपने पहले एफआईएच विश्व कप मैच की मेजबानी करेगा, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स एक दूसरे से भिड़ेंगे। दिन के दूसरे मुकाबले में भारत और स्पेन आमने सामने होंगे।

टूर्नामेंट में कुल 44 मैच खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे भुवनेश्वर में खेला जाएगा। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए भारत को पूल डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ रखा गया है।

पूल ए में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका हैं जबकि पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम को जर्मनी, कोरिया और जापान से मुकाबला करना है। पूल सी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और चिली शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि चिली और वेल्स ने पहली बार पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।बेल्जियम वर्तमान विश्व चैंपियन है, जिसने 2018 संस्करण के फाइनल में नीदरलैंड को हराया था।

हरमनप्रीत आईसीसी रैंकिंग में पांचवें पायदान पर पहुंची

दुबई, 27 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर आ गयी हैं।

आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताज़ा रैंकिंग में हरमनप्रीत चार पायदान चढ़कर 716 रैंकिंग पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर आ गयी हैं। कप्तान हरमनप्रीत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 111 गेंदों पर 143 रन की नाबाद पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 88 रन से मैच जीतकर शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

इसी बीच, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने भी बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऊपर की ओर कदम बढ़ाया है। मंधाना ने एक पायदान ऊपर चढ़कर 714 पॉइंट के साथ छठा स्थान हासिल कर लिया है जबकि दीप्ति आठ पायदान चढ़कर 24वें पायदान पर आ गये हैं। पूजा वस्त्राकर (चार स्थान ऊपर 49वें स्थान पर) और हरलीन देओल (46 स्थान ऊपर 81वें स्थान पर) बल्लेबाजों की सूची में ऊपर आने वाली अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

नयी गेंद की गेंदबाज रेणुका सिंह ने दो मैचों में चार-चार विकेट लेकर 35 पायदान की छलांग लगाकर 35वां स्थान हासिल किया है। इंग्लैंड एकदिवसीय शृंखला के आखिरी मैच के बाद सन्यास ले चुकी अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने पांचवें स्थान पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

गोपी सर, माथियास मेरे प्रेरणा स्रोत : कपिला

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर। भारत के तेजी से उभरते युवा शटलर ध्रुव कपिला ने मंगलवार को कहा कि उनकी सफलता के पीछे उनके गुरू पुलेला गोपीचंद और डेनमार्क के कोच माथियास बो से मिली प्रेरणा है जो हमेशा उन्हें जीत के लिये प्रोत्साहित करते रहते हैं।

पिछले हफ्ते इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज जीतने से उत्साहित युगल मैचों के विशेषज्ञ खिलाड़ी ने कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत से हमारे पास अच्छे मैच थे। हमने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अच्छा खेला और फिर क्वार्टर फाइनल में हमने थाईलैंड की जोड़ी को हराया। मलेशियाई जोड़ी के साथ मैच मुश्किल था क्योंकि हम जानते थे कि वे वास्तव में मजबूत थे और उन्होंने कुछ अच्छा बैडमिंटन खेला था, लेकिन हम इसके लिए तैयार थे। हमने उन्हें 21-15 और 23-21 से हराया और थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 21-14, 21-2 के स्कोर के साथ एक आसान जीत हासिल की।”

ध्रुव ने कहा, मेरे और अर्जुन के पास टूर्नामेंट की शुरुआत से ही योजनाएं थीं। गोपी सर और माथियास ने हमसे कहा था कि हमें यह दिखाने के लिए टूर्नामेंट जीतना होगा कि हम उच्च स्तर पर हैं और हमने इसे साबित किया। थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ फाइनल एक मुश्किल मैच था। हमने इस साल की शुरुआत में कुछ बेहतरीन मैच खेले और टूर्नामेंट के दौरान भी लगातार बने रहे लेकिन हमने वह चुनौती स्वीकार की और हमने अच्छी तैयारी की। हम जानते थे कि वे महत्वपूर्ण क्षण में हिचकिचाएंगे और हमने इसका फायदा उठाया।

पंजाब में लुधियाना शहर के कैलाश चौक निवासी, 22 वर्षीय ध्रुव ने 2019 दक्षिण एशियाई खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत युगल मिश्रित युगल और पुरूष टीम में तीन स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने देश के लिए पहला थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था।

इटली नेशंस लीग फाइनल्स में, इंग्लैंड और जर्मनी ने ड्रॉ खेला

लंदन, 27 सितंबर। लगातार दूसरी बार विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी इटली फुटबॉल टीम ने हंगरी को 2.0 से हराकर नेशंस लीग फाइनल्स में जगह बना ली है। इटली के लिये जियाकोमो रासपाडोरी और फेडरिको डिमार्को ने गोल दागे। इटली, नीदरलैंड और क्रोएशिया ने अगले साल जून में नीदरलैंड में होने वाले फाइनल्स के लिये अंतिम चार में जगह बना ली है। पुर्तगाल और स्पेन में से भी एक टीम इसमें शामिल होगी जिन्हें मंगलवार को आपस में खेलना है। इंग्लैंड और जर्मनी ने वेंबले स्टेडियम पर 3.3 से ड्रॉ खेला। इंग्लैंड पिछले छह मैचों में से एक भी जीत नहीं सका है और नेशंस लीग में निचले चरण में खिसक गया। वहीं जर्मनी ने सात में से एक ही मैच जीता है।

शुभमन गिल ने काउंटी चैम्पियनशिप में जड़ा शतक

होव, 27 सितंबर। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने मंगलवार को यहां ग्लेमोर्गन की तरफ से ससेक्स के खिलाफ 119 रन की लाजवाब पारी खेली जो काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो में उनका पहला शतक है। गिल ने सुबह 91 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और दूसरे दिन के आठवें ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सीन हंट पर दो रन लेकर अपने प्रथम श्रेणी करियर का आठवां शतक पूरा किया। इस 23 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज ने ऑफ स्पिनर जैक कार्सन की गेंद पर कैच थमाने से पहले 139 गेंदें खेली तथा 16 चौके और दो छक्के लगाए। ग्लेमोर्गन के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरने पर गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए। उनकी शानदार पारी से ग्लेमोर्गन ने पहले दिन तीन विकेट पर 221 रन बनाए थे। गिल जब आउट हुए तो उसका स्कोर पांच विकेट पर 277 रन था। गिल का यह काउंटी चैंपियनशिप में तीसरा मैच है।

भारत-ए ने न्यूजीलैंड-ए को क्लीन स्वीप किया

चेन्नई, 27 सितंबर। भारत-ए ने कप्तान संजू सैमसन (54), तिलक वर्मा (50) और शार्दुल ठाकुर (51) के अद्धर्शतकों के बाद राज बावा (11/4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड-ए को तीसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मैच में मंगलवार को 106 रन से हराकर तीन मैचों की शृंखला क्लीन स्वीप कर ली।

भारत-ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 285 रन बनाये, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड-ए 178 रन पर ऑलआउट हो गयी। कीवी टीम के लिये डेन क्लीवर (83) ने जुझारू पारी खेली लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

कप्तान संजू और तिलक ने भारतीय टीम के 65 रन पर दो विकेट गिरने के बाद तीसरे विकेट के लिये 99 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। संजू ने 68 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की बदौलत 54 रन बनाये जबकि तिलक ने 62 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्के लगाकर 50 रन की अद्धर्शतकीय पारी खेली। इसके बाद आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आये शार्दुल ने 33 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की बदौलत ताबड़तोड़ 51 रन बनाये, जिसकी मदद से भारत-ए ने ऑलआउट होने से पहले 284 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। इसके अलावा ऋषि धवन ने 34(46) रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड-ए ने दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत के बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाये। क्लीवर ने चैड बोवेस (20) के साथ पहले विकेट के लिये 9.5 ओवर में 52 रन जोड़े, लेकिन बोवेस का विकेट गिरने के बाद रचिन रविंद्र (02), मार्क चैपमेन (11), रॉबर्ड ओडोनेल (06) और टॉम ब्रूस (10) भी शीघ्र ही पवेलियन लौट गये। क्लीवर भी माइकल रिपन के साथ छठे विकेट के लिये 31 रन की साझेदारी करके पवेलियन लौट गये। क्लीवर ने 89 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों के साथ 83 रन बनाये जबकि रिपन ने 24 गेंदों पर तीन चौके लगाते हुए 29 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड-ए ने अपने अंतिम छह विकेट 58 रन के बदले गंवाये और 38.3 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गयी। भारत-ए के लिये बावा ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 5.3 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर चार विकेट लिये। राहुल चाहर और कुलदीप यादव को दो-दो विकेट हासिल हुए जबकि धवन और राहुल त्रिपाठी ने एक-एक विकेट लिया।

ममता, मोना की तिकड़ियों से हॉप्स की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। पहली महिला प्रीमियर लीग में तेज रफ़्तार से दौड़ रहे हॉप्स फुटबाल क्लब ने मंगलवार को यहां नेहरू स्टेडियम पर खेले गए एकतरफ़ा मुकाबले में गढ़वाल एफसी को 7-2 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किये। मैच की श्रेष्ठ खिलाड़ी ममता ने हॉप्स के लिये चार बेहतरीन गोल जमाये, जबकि मोना ने तीन गोल किये। गढ़वाल के गोल सांफिडा नोंग्रुम और दीपिका पाल के नाम रहे। दिन के दूसरे मैच में अहबाब ने ईमी हीरोज़ फुटबॉल क्लब को 6-1 से पराजित किया। विजेता टीम के लिए प्रतिज्ञा क्षेत्री ने दो गोल किये जबकि देबीका रोजाना, रेनू और अंजलि ने एक-एक गोल बांटे। ईमी का एकमात्र गोल सविता ने किया। पुरुषों की प्रीमियर लीग में भारतीय वायुसेना ने रेंजर्स एफसी को 3 -2 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए।

ओस के कारण लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे : राठौड़

तिरुवनंतपुरम, 27 सितंबर। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लक्ष्य का बचाव करते हुए भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है लेकिन बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने आश्चर्यजनक रूप से 'ओस' को इसका एक कारण बताया जबकि हाल ही में संपन्न एशिया कप के दौरान ऐसा नहीं था।

एशिया कप के सुपर चार चरण से भारत ने छह टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं और उनमें से तीन में उसे हार और तीन में जीत मिली। भारत को पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों हार का सामना लक्ष्य का बचाव करते हुए करना पड़ा। राठौड़ के दावों के विपरीत दुबई में पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद मीडिया से बात करने वाले भारतीय टीम के किसी भी सदस्य ने इसके लिए ओस को जिम्मेदार नहीं ठहराया जिससे स्कोर का बचाव करना मुश्किल हो गया है।

राठौड़ ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 की पूर्व संध्या पर कहा, “हम लक्ष्य का बचाव करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में काम कर रहे हैं लेकिन हमारे गेंदबाजों के लिए निष्पक्ष रहूं तो टॉस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर बार जब हम लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे तो ये वे स्थान थे जहां ओस होती है जिससे लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाता है।”

राठौड़ शायद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में हुए मुकाबले का संदर्भ देना चाह रहे थे जहां भारत 200 से अधिक के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाया था। वह गेंदबाजों के प्रति सहानुभूति रखते हैं जिन्हें पिछले कुछ समय में आलोचना का सामना करना पड़ा है।

भारत के पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज ने कहा, “मैं गेंदबाजों के प्रति कठोर रुख नहीं अपनाऊंगा क्योंकि वे मैच को आखिरी ओवर तक ले जाने में सक्षम रहे हैं, हर बार, जब हम लक्ष्य का बचाव कर रहे थे। निश्चित रूप से हम बहुत अच्छा कर रहे हैं लेकिन उम्मीद है कि हम बेहतर होंगे।”

बल्लेबाजी कोच इस बात से भी सहमत नहीं थे कि भारत पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर पर्याप्त बड़े लक्ष्य नहीं दे पा रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज संभावित लक्ष्य तय करते हैं, कोच ने जवाब दिया, “निश्चित रूप से, यह उस सतह पर निर्भर करता है जिस पर हम खेल रहे हैं लेकिन जब आप कहते हैं कि हम अच्छा स्कोर नहीं बना पाए हैं तो मैं उससे सहमत नहीं हूं।”

उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि पहले बल्लेबाजी करना पिछले टी20 विश्व कप के दौरान चिंताओं में से एक था लेकिन तब से जब भी हमने पहले बल्लेबाजी की तो प्रतिस्पर्धी स्कोर या इससे बेहतर स्कोर बनाया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है।”

बल्लेबाजी कोच ने यह भी कहा कि टीम प्रबंधन कभी भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को कोचिंग देने की कोशिश नहीं करता बल्कि उन्हें अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेलने के लिए प्रोत्साहित करता है। अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ी को हमेशा अपनी योजनाओं के अनुसार चलने के लिए कहा जाता है।

उन्होंने कहा, “इस स्तर पर हम उन्हें कुछ नहीं कर रहे हैं। अर्श (अर्शदीप सिंह) ने आईपीएल में डेथ ओवरों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है इसलिए हम केवल उनका समर्थन करते हैं कि वह योजनाओं का पालन करें। वे जानते हैं कि प्रत्येक बल्लेबाज को कहां गेंदबाजी करनी है और अपनी योजनाओं का पालन करना है।”

मेजबान वियतनाम ने भारत को 3-0 से मात दी

हो ची मिन्ह सिटी, 27 सितंबर। वियतनाम पुरुष फुटबॉल टीम ने मंगलवार को हंग थिन्ह मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट में भारत को 3-0 से शिकस्त दी। फान वान डुक (10वां मिनट), नुएन वान टोन (49वां मिनट) और नुएन वान कुएत (70वां मिनट) ने यहां थोंग न्हाट स्टेडियम में मेजबान वियतनाम के गोल दागे। भारतीय टीम के लिये मैदान पर कई मौके बने लेकिन सुनील छेत्री की टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इससे पहले भारत ने त्रिकोणीय टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में सिंगापुर के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था।

हैदराबाद एफसी पुणे में खेलेगी आईएसएल का अपना पहला घरेलू मैच

हैदराबाद, 27 सितंबर। गत चैम्पियन हैदराबाद एफसी इंडियन सुपर लीग फुटबॉल का अपना पहला घरेलू मैच मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ पुणे के श्री शिवछत्रपति खेल परिसर में नौ अक्टूबर को खेलेगी। यहाँ गचीबाउली के जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में मैदान के नवीनीकरण का काम चल रहा है जिसके कारण हैदराबाद एफसी को पुणे में यह मैच खेलना पड़ेगा। क्लब ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उसने लीग के साथ विचार-विमर्श के बाद पहले मैच को वैकल्पिक स्थल पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग : प्रणय की शीर्ष 15 में वापसी, लक्ष्य 9वें स्थान पर बरकरार

यी दिल्ली, 27 सितंबर। स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी नवीनतम बीडब्ल्यूएफ (बैडमिंटन विश्व महासंघ) विश्व रैंकिंग में शीर्ष 15 में वापसी की। लगातार दो टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप और जापान ओपन सुपर 750 के फाइनल में पहुंचे प्रणय एक स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

युवा लक्ष्य सेन नौवें स्थान पर बरकरार हैं और पुरुष रैंकिंग में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत एक स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। चोट के कारण विश्व चैंपियनशिप और जापान ओपन से बाहर रहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला रैंकिंग में छठे स्थान पर बनी हुई हैं। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल एक स्थान के फायदे से 31वें पायदान पर हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पहले की तरह आठवें स्थान पर बनी हुई है। विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी तीन स्थान आगे बढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गई है। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी दो स्थान के फायदे से 23वें स्थान पर हैं।

चेन्नइयिन एफसी ने केरल के खिलाड़ी प्रशांत से करार किया

चेन्नई, 27 सितंबर। इंडियन सुपर लीग की टीम चेन्नइयिन एफसी ने केरल के प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी प्रशांत के. को 2022-23 सत्र के लिए टीम में शामिल करने की मंगलवार को घोषणा की। कोझिकोड का 25 साल का यह खिलाड़ी इससे पहले पांच साल तक केरल ब्लास्टर्स एफसी टीम का हिस्सा था। प्रशांत ने अपने पेशेवर करियर में अब तक 76 मैच खेले है।

कटी पतंग, मेरा गाँव मेरा देश और लव इन टोक्यो जैसी यादगार फिल्मों की सुप्रसिद्ध अदाकारा एवं हिंदी फिल्मों की अपने समय की महान अभिनेत्री आशा पारेख को वर्ष 2020 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 30 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह में आशा पारेख को यह पुरस्कार देंगी। दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के निर्णायक मंडल के इस निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा, ''यह घोषणा करते हुए मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूँ कि, जूरी सदस्यों ने आशा पारेख जी को भारतीय सिनेमा में उनके अनुकरणीय जीवन भर के योगदान के लिए मान्यता और पुरस्कार देने का निर्णय लिया है।'' आशा पारेख ने फिल्मों में अभिनय के अलावा निर्देशक और निर्माता की भूमिका में भी भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया। उन्होंने सिनेमा और नृत्यकला प्रेमियों के मन पर एक कुशल भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना के रूप में भी अपनी अमिट छाप डाली है। एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू करते हुए उन्होंने फिल्म दिल देके देखो से मुख्य नायिका के रूप में काम करना शुरु किया और 95 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। तीसरी मंजिल, आया सावन झूम के, आन मिलो सजना, मेरा गांव मेरा देश जैसी मशहूर फिल्मों में उनके यादगार अभिनय को बहुत पसंद किया गया। आशा भोंसले, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लों, टी. एस. नागभरण, उदित नारायण पांच सदस्यीय जूरी में शामिल थे। आशा पारेख को 1992 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 1998-2001 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के प्रमुख के रूप में भी काम किया है।

सौम्या गुर्जर, जयपुर ग्रेटर महापौर और पार्षद पद से बर्खास्त

भाजपा की वरिष्ठ पार्षद शील धाबाई कार्यवाहक महापौर नियुक्त

- **राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर पर 6 साल तक निकाय चुनाव लड़ने पर भी पाबंदी लगाई।**
- **नगर निगम के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह के बदसलूकी मामले में न्यायिक जांच के आधार पर राज्य सरकार ने यह कार्रवाई की।**
- **इससे पहले सरकार मामले के तीनों आरोपी पार्षदों को भी बर्खास्त कर, उनके निकाय चुनाव लड़ने पर 6 साल की रोक लगा चुकी है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 27 सितम्बर । राज्य सरकार ने मंगलवार को आदेश जारी कर सौम्या गुर्जर को जयपुर ग्रेटर नगर निगम के महापौर और वार्ड 87 के पार्षद पद से बर्खास्त किया है, साथ ही उनकी नगर निगम की सदस्यता को खत्म करते हुए 6 साल तक निकाय चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। पूर्व आयुक्त यज्ञ मित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले में न्यायिक जांच की रिपोर्ट और 23 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से मिले आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है। सौम्या गुर्जर के पास अब केवल हाईकोर्ट जाने का विकल्प बचा है। उधर पूरे मामले में सौम्या गुर्जर ने कहा है कि संघर्ष मेरा जीवन है और मैं संघर्ष करती रहूंगी। उधर मंगलवार देर शाम राज्य सरकार ने एक और आदेश जारी कर भाजपा की वरिष्ठ पार्षद शील धाभाई को पुनः कार्यवाहक महापौर का जिम्मा सौंपा है।

ज्ञात रहे कि इससे पहले पिछले साल जून में भी गहलोत सरकार ने सौम्या गुर्जर को महापौर पद से हटाया था और उनकी जगह शील धाभाई को कार्यवाहक महापौर बनाया गया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिलने के बाद फरवरी-2022 में सौम्या गुर्जर वापस महापौर की कुर्सी पर काबिज हुई थी। इसके बाद सरकार ने पूर्व निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले की जांच पूरी करवाई और इसी को आधार बनाते हुए महापौर सौम्या को बर्खास्त किया गया है। इससे पहले सरकार ने तीन पार्षदों अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को भी बर्खास्त करते हुए 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। इन्हें भी कमिश्नर के साथ बदसलूकी मामले में दोषी माना गया है।

ज्ञात रहे कि 4 जून 2021 को ग्रेटर मुख्यालय पर महापौर सौम्या गुर्जर और अन्य पार्षदों की तत्कालीन आयुक्त यज्ञिमत्र सिंह देव के साथ बहस हुई। कमिश्नर से आरोप लगााया कि वे बैठक छोड़कर जाने लगे तो तीन पार्षदों अजय सिंह चौहान, शंकर शर्मा आर पारस जैन ने महापौर सौम्या के इशारे पर उन्हें गेट पर रोक दिया और मारपीट और धक्का-मुक्की की। आयुक्त ने राज्य सरकार को लिखित में शिकायत की और ज्योति नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। सरकार ने जून को शिकायत की जांच स्वायत्त शासन निदेशालय की क्षेत्रीय निदेशक को सौंप दी और 6 जून को जांच रिपोर्ट में चारों को दोषी मानते हुए सरकार ने महापौर व और तीन पार्षदों को निलंबित कर दिया। इसी दिन सरकार ने इन सभी के खिलाफ न्यायिक जांच भी शुरू करवा दी और 7 जून को राज्य सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए पार्षद शील धाभाई के कार्यवाहक महापौर बनाया। सौम्या गुर्जर ने सरकार के आदेश को पहले हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन 28 जून को हाईकोर्ट ने निलंबन आदेश पर स्टे देने से मना कर दिया। इसके बाद जुलाई में सौम्या गुर्जर सुप्रीम कोर्ट पहुंची, जहां से 1 फरवरी 2022 को निलंबन ऑर्डर पर स्टे मिला। इसके बाद 2 फरवरी को सौम्या गुर्जर ने वापस मेयर की कुर्सी संभाली। अभी हाल ही में 11 अगस्त को सौम्या और 3 अन्य पार्षदों के खिलाफ न्यायिक जांच की रिपोर्ट आई, जिसमें सभी को राज्य सरकार ने दोषी माना और 22 अगस्त को सरकार ने तीनों पार्षदों को बर्खास्त कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर न्यायिक जांच की रिपोर्ट पेश की तथा 23 सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट से मिले आदेश के मुताबिक 2 दिन का समय बीतने के बाद सौम्या गुर्जर को सरकार ने बर्खास्त कर दिया है।

चीन सीमा पर 80 गाँवों में मोबाइल नैटवर्क नहीं

नैनीताल, 27 सितंबर (वार्ता)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने चीन सीमा से सटे उच्च हिमालयी क्षेत्र के 80 गांवों में मोबाइल नेटवर्क व इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब देने को कहा है।

- **उत्तराखण्ड हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया और कहा कि, यहां के करीब 66 हजार लोग नेपाल व चीन के नैटवर्क पर निर्भर हैं**

उच्च न्यायालय ने वर्ष 2021 में धारचूला की एक शिक्षिका के पत्र का संज्ञान लेते हुए इस मामले में एक जनहित याचिका दायर की है और साथ ही अधिवक्ता दुष्यंत मैनाली को न्यायमित्र अधिवक्ता नियुक्त किया है।

न्यायमित्र अधिवक्ता की ओर से अदालत में पेश प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन सीमा से सटी धारचूला तहसील 2690 वर्ग कि.मी. में फैली है। इसमें से 2686.77 वर्ग कि.मी. ग्रामीण क्षेत्र है।

'शांति धारीवाल और सचेतक महेश जोशी अनुशासनहीन, इनके खिलाफ हो अनुशासनात्मक कार्यवाही'

दिव्या मदेरणा ने यह भी कहा -आलाकमान की ओर से सी.एल.पी. लीडर ने मीटिंग आहूत की, जोशी ने अधिकृत सूचना दी, संसदीय कार्य मंत्री, चीफ व्हिप मीटिंग का बॉयकॉट करते हैं, ये अनुशासनहीनता है

- **महेश जोशी बोले, नोटिस आया, सजा मिली तो भुगतने को तैयार।**
- **इसी बीच कई विधायकों के सुर बदले, बोले- आलाकमान जो फैसला करेगा, हम उसके साथ।**

जयपुर, 27 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल और सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी को अनुशासनहीन बताते हुए आलाकमान से इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं बदलते घटनाक्रम के बीच राजस्थान के कई विधायकों ने संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हुई बैठक के घटनाक्रम से खुद को अलग करते हुए कहा है कि आलाकमान जो भी निर्णय करेगा, वह उस निर्णय के साथ हैं। पूरे घटनाक्रम को लेकर आलाकमान के सख्त रुख के बाद में मुख्य सचेतक महेश जोशी ने भी खुद को निर्दोष बताया है। साथ ही कहा है कि यदि उन्हें नोटिस मिलता है और कोई सजा भी मिलती है, तो उसे भुगतने के लिए तैयार हैं।

इससे पहले कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हम कांग्रेस आलाकमान के वफादार एवं अनुशासित सिपाही हैं। आलाकमान की ओर से कांग्रेस विधायक दल लीडर (सीएलपी) ने मीटिंग आहूत की। महेश जोशी ने अधिकृत रूप से सबको सूचना दी। खुद संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल और चीफ व्हिप डॉ महेश जोशी मीटिंग का बायकॉट करते हैं। ये बिल्कुल अनुशासनहीनता की कैटेगरी में आता है। उनके साथ कोई विधायक नहीं हैं। सब आज खुलकर आने लग गए हैं। उन्हें धोखे से बुलाया गया। बुलाकर आगे पुलिस लगा दी गई। बसों पर और विधानसभा स्पीकर डॉ सीपी जोशी के घर पर पुलिस लगा दी गई और जबरदस्ती उन्हें वहां पर ले गए। अब सब विधायक आ आकर कह रहे हैं कि हम इसके साथ नहीं हैं। हमारी सहमति नहीं है। हमने इस्तीफा नहीं दिया। दिल्ली को धत्ता बताकर हाईकमान को चैलेंज करके अपने कामों को छिपाने के लिए वह (शांति धारीवाल और महेश जोशी) अब माकन पर आरोप लगा रहे हैं।

इसी के साथ दिव्या मदेरणा ने संसदीय कार्य मंत्री और मुख्य सचेतक के किसी भी आदेश को मानने से मना करते हुए कहा कि मैं बाध्य नहीं हूं, क्योंकि उनकी पवित्रता और विश्वसनीयता क्या है? उन्होंने ही मुझे फोन करके कहा कि कल आपको 7 बजे की मीटिंग में पहुंचना है। कांग्रेस के अधिकृत ऑब्जर्वर्स वहां आएंगे। वन लाइन रेजोल्यूशन पास होगा। वन ऑन वन विधायकों से मिलेंगे। वही अब मुझे फोन करके कह देंगे कि विधायक दल की मीटिंग कहीं और फलाना होटल में है, तो कल को हमारी निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लग सकता है। इसी के साथ दिव्या ने कहा कि आलाकमान जिसको भी मुख्यमंत्री बनाएगा, मैं उसके साथ हूँ। जब मीडिया ने पूछा कि आलाकमान ने तो सचिन पायलट के लिए ऑब्जर्वर भेजा था, तो दिव्या बोलीं कि नहीं बिल्कुल गलत बात है। क्या आपको किसी ने ये बात बताई है?

वही पूरे मामले को लेकर संदेह के घेरे में आए मुख्य सचेतक डॉ महेश जोशी ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि विधायक दल की बैठक होगी और ऑब्जर्वर आएंगे, ये मेरा या सीएम का मैसेज नहीं, केसी वेणुगोपाल का मैसेज था। जो हमारे संगठन महामंत्री हैं। उसमें कहां लिखा था कि रायशुमारी होगी? उसमें नहीं लिखा था कि रायशुमारी होगी। अजय माकन ने मुझे आदेश दिया होता कि हम विधायक दल की बैठक कर रहे हैं, उसमें रायशुमारी भी होगी। तो मैं विधायक दल की बैठक की सूचना देता और उसमें सारे विधायकों को यह कहता कि रायशुमारी भी होगी। इसलिए ये आरोप मुझ पर लगाना गलत है। मेरी पार्टी के प्रति निष्ठा पर मैंने आज तक कोई प्रश्न वाचक चिन्ह नहीं लगने दिया है।

जोशी ने कहा कि आलाकमान चाहे तो कुछ भी कर सकता है। आलाकमान तो बुलाकर इस्तीफा भी ले सकता है। यदि मुझे नोटिस आया, सजा मिली तो सजा भुगतने को भी तैयार हूं।

वहीं इस मामले में आलाकमान के सख्त रुख को देखते हुए मंत्री-विधायकों के रुख भी बदल गए हैं। इस मामले में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कोई लेना देना नहीं है।

जहां तक अनुशासनहीनता की बात है, तो हमने ऐसा कुछ नहीं किया है। फिर भी हमें नोटिस मिलेगा या अजय माकन हमसे नाराज हैं, तो हम उन्हें मना लेंगे और नोटिस का भी जवाब देंगे।

दूसरी ओर विधायक संदीप यादव, जोगिंदर सिंह अवाना, जितेंद्र सिंह, खुशवीर सिंह जोजावर और मदन प्रजापत ने भी कहा की जो भी घटना हुई, उसे सही नहीं कहा जा सकता। इन सभी विधायकों की ओर से मीडिया से कहा गया है कि आलाकमान जो भी फैसला करेगा, वह आलाकमान के साथ हैं। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नजदीकी माने जाने वाले विधायक मदन प्रजापत ने तो यह भी कहा है कि जो भी घटना हुई, वह गलत थी।

वहीं उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान में सचिन पायलट निश्चित तौर पर बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

एक अक्टूबर से शुरु होगी 5जी सर्विस

नई दिल्ला, 27 अक्टूबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक अक्टूबर को देश के पांचवी पीढ़ी की दूरसंचार सेवा 5 जी को लाँच करेंगे।

राजधानी के प्रगति मैदान में एक अक्टूबर से चार अक्टूबर तक चलने वाले इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आई.एम.सी.) के उद्घाटन के अवसर पर मोदी इस सेवा को शुरू करने वाले हैं।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रगति मैदान (नई दिल्ली) में इस सेवा का शुभारम्भ करेंगे**

हालांकि इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन दूरसंचार मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री उस दिन देश में 5 जी इंटरनेट सेवा की शुरूआत कर सकते हैं।

मौखिक व लिखित रिपोर्ट में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस लेजिस्लेचर पार्टी (सी.एल.पी.) मीटिंग में बतौर पर्यवेक्षक जयपुर भेजा गया था।

खड़गे की रिपोर्ट माकन द्वारा सोमवार शाम को किए गए दावों से बिल्कुल ही अलग है। सोनिया गांधी से 10 जनपथ स्थित आवास पर बातचीत करने के बाद माकन ने पत्रकारों से बात करते हुए ये दावे किए थे। इससे पहले के घटनाक्रम में गहलोत तुरंत प्रभाव से उस होटल में पहुंचे, जहां ये दोनों पर्यवेक्षक ठहरे हुये थे। हालांकि माकन गहलोत से मिले बिना होटल से चले गए, जबकि खड़गे ने उन्हें सलाह दी थी कि यदि दोनों गहलोत की बात सुनें तो बेहतर होगा।

यहां तक कि पार्टी की सीनियर नेता अंबिका सोनी, जो कि राजस्थान के घटनाक्रमों को लेकर व्यथित और आवेशित थीं, ने भी खड़गे से बात करने के बाद अपना मानस बदल लिया। उन्होंने कहा कि "उन्होंने वास्तव में पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत नहीं की है। वह सोनिया गांधी के सम्पर्क में हैं।"

अंबिका सोनी ने 10, जनपथ पर एक मीटिंग में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। उन्हें कांग्रेस की सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी की एक मीटिंग में भाग लेना है जिसमें हिमाचल प्रदेश में आगामी नवम्बर माह में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रत्याशियों के नाम फाइनल किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि सोनिया जयपुर के घटनाक्रमों को लेकर बेहद नाराज थीं, लेकिन खड़गे की रिपोर्ट पढ़ने के बाद गहलोत की भूमिका को लेकर उनका गुस्सा शांत हो गया।

तथापि, पार्टी के सीनियर नेता गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाने को लेकर विभाजित हैं। उनमें से अधिकांश का कहना है कि ऐसा व्यक्ति जो एक राज्य में अपने समर्थकों को नियंत्रित नहीं कर सकता, अन्य राज्यों में ऐसी ही समस्याओं का समाधान करने में विफल रहेगा।

कांग्रेस सूत्र इस पर जोर देते हैं कि गहलोत अभी कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव की रेस से बाहर नहीं हुए हैं क्योंकि नामांकन भरने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर आने में अभी भी चार दिन शेष हैं और सोनिया से बातचीत के बाद वह संभवतः बुधवार को चुनाव मैदान में ताल ठोक सकते हैं।

यद्यपि, बागी विधायक चाहते थे कि 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद ही नए मुख्यमंत्री का चयन किया जाए। बताया जाता है कि गहलोत ने खड़गे को यकीन दिलवा दिया है कि उन्होंने ऐसी कोई तिथि तय नहीं की थी क्योंकि वह अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए अपने आवास पर सी.एल.पी. मीटिंग आयोजित करवाने पर सहमत हो गए थे।

इस बीच, जब ये खबरें आईं कि "पायलट ने गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री, दोनों पदों पर एक ही समय में नहीं हो सकते तथा सभी विधायकों को एकजुट रखना उनकी जिम्मेवारी है", पायलट को ट्वीट करके स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उन्होंने गांधी परिवार के सदस्यों अथवा गहलोत से सम्पर्क नहीं किया है।

स्कूल के बाथरूम में नाबालिग के साथ रेप

- **किशोरी की मां की रिपोर्ट पर गुडामालानी थाने में मामला दर्ज किया गया है तथा आरोपी की तलाश की जा रही है।**
- **बताया जाता है कि, मामला 24 सितम्बर का है, जब किशोरी गाय का गोबर लेने घर से निकली थी।**
- **घर से कुछ दूर सरकारी स्कूल की दीवार पर बैठे गोपाल सिंह ने बालिका को धोखे से स्कूल में बुला लिया और स्कूल के बाथरूम में रेप किया।**

गुड़ामालानी, (निसं)। बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग बच्ची का स्कूल के बाथरूम में रेप करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने नाबालिग की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है तथा किशोरी का मेडिकल करवाकर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार 24 सितंबर को दोपहर के समय नाबालिग बच्ची घर से गाय का गोबर लेने के लिए गई थी। घर से कुछ दूरी पर सरकारी स्कूल की दीवार पर छूटटी के बाद उसी के गांव का गोपालसिंह पुत्र मदनसिह बैठा था। उसने किशोरी से कहा कि गोबर स्कूल के बाथरूम के आगे पड़ा है। नाबालिग विश्वास में आकर स्कूल के अंदर चली गई। स्कूल में घुसते ही आरोपी ने किशोरी का अपने हाथ से मुंह बंद कर दिया और बाथरूम में ले जाकर रेप किया। नाबालिग के चिल्लाने पर गांव की महिलाएं वहां आई तो उन्हें देखकर आरोपी भाग गया। रोते-रोते नाबालिग घर पहुंची और मां को सारी बात बताई। नाबालिग के पिता काम के सिलसिले बाहर गए हुए थे। नाबालिग की मां ने आरोप लगाया कि आरोपी ने मुझे व मेरी बच्ची को डराया धमकाया। सोमवार को नाबालिग की मां ने पुलिस थाने रिपोर्ट की तब मामला दर्ज किया गया।

गुड़ामालानी थानाधिकारी रमेश ढाका के मुताबिक नाबालिग की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं नाबालिग का मेडिकल करवा दिया गया है तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पूरे मामले की जांच डीएसपी शुभकरण द्वारा की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि पेपरलैस ग्रीन बैंच ने मंगलवार को किया इसे 9 नवम्बर की प्रातः 10 बजे के लिए लिस्ट किया जाए।" बैंच में जस्टिस एम.आर. शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, हिमा कोहली और पी.एस. नरसिम्हा भी थे।

विवाद तब खड़ा हुआ जब दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता वाली निर्वाचित आप सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों को दरकिनार करते हुए दिल्ली सरकार के सीनियर अधिकारियों की नियुक्तियां और स्थानांतरण कर दिए।

शीर्ष अदालत ने गत 6 मई को इस मुद्दे को पांच जजों की संविधान बैंच को यह टिप्पणी करते हुए रैफर कर दिया था कि वह दिल्ली सरकार में सेवाओं पर नियंत्रण के सीमित मुद्दे पर सुनवाई करेगी क्योंकि इस मुद्दे पर उस संविधान बैंच ने विचार नहीं किया था, जिसने सभी विधिक प्रश्नों पर विस्तार से सुनवाई की थी। दिल्ली सरकार ने जस्टिस ए.के. सीकरी और अशोक भूषण की बैंच के एक विभाजित फैसले के कारण याचिका दायर की थी। अब ये दोनों ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। केन्द्र सरकार ने भी दिल्ली सरकार की दो अलग-अलग याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई की मांग की थी। इन याचिकाओं में सेवाओं पर नियंत्रण की मांग करते हुए संशोधित, गवर्नमैंट ऑफ नैशनल कैपिटल टैरिटरी एक्ट (जी.एन.सी.टी.डी.) 2021 और ट्रांज़ैक्शन ऑफ बिज़नैस रूल्स को चुनौती दी थी, जो लैफ्टिनैंट गवर्नर को कथित रूप से अधिक शक्तियां प्रदान करते हैं। याचिकाओं में कह गया था कि प्रथम दृष्टया इन दोनें क ही सह संबंध है।

'इस्तीफे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई व्यक्ति आकर त्याग पत्र दे देता है तो उनके पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। कांग्रेस के विधायक रोष प्रकट करना चाहते थे तो कांग्रेस अध्यक्ष के पास जाते। इस ताबड़तोड़ से प्रशासनिक अव्यवस्था पैदा हो गई है। वैधानिक संकट यह है कि सरकार रहेगी या जाएगी। प्रशासनिक संकट यह है कि लंपी फैल रहा है और बाजरा भी नहीं खरीदा जा रहा है।

'कश्मीर में हाइवे पर खड़े ट्रकों में सड़ रहे हैं 100 करोड़ रु. से ज्यादा के सेब'

महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि, सुरक्षाबलों की आवाजाही के कारण अक्सर फलों से लदे ट्रकों को रोक दिया जाता है, इस कारण प्रदेश के फल व्यापारियों को हमेशा भारी नुकसान उठाना पड़ता है

- **महबूबा मुफ्ती ने चेतावनी दी कि, यदि इन ट्रकों को शीघ्र अपने गंतव्य तक जाने नहीं दिया गया तो मैं फल उत्पादकों के साथ मिलकर नैशनल हाइवे जाम करा दूंगी तथा धरने पर बैठ जाऊंगी।**

श्रीनगर, 27 सितंबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में नैशनल हाइवे पर कई दिनों से खड़े सेब से लदे ट्रकों में करीब 100 करोड़ ज्यादा का माल खराब हो रहा है। दरअसल में नैशनल हाइवे पर इस समय निर्माण कार्य चल रहा है जिसकी वजह से हाइवे पिछले कुछ दिनों से बंद है। इस मामले में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) की अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को चेतावनी दी कि, अगर प्रशासन फलों से लदे ट्रकों को उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचने देता है तो वह फल उत्पादकों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देंगी।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जम्मू-कश्मीर प्रशासन को चेतावनी देता हूं कि यदि वे फलों के ट्रकों की सुचारू आवाजाही के लिए श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग को खोलने में विफल रहते हैं, तो मैं फल उत्पादकों के साथ मिलकर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दूंगी।

कश्मीर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार सेब उद्योग पिछले महीने से एक बड़े संकट का सामना कर रहा है क्योंकि सुरक्षा बलों की आवाजाही के नाम पर श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर सैकड़ों फलों के ट्रक अक्सर रोक दिये जाते हैं। इस प्रक्रिया में अधिकांश सेब सड़ने लगते हैं जिसका खामियाजा उद्योग से जुड़े सभी लोगों को भुगतना पड़ता है।

गुस्साए उत्पादकों ने सोमवार को सोपोर सहित कश्मीर के सभी प्रमुख थोक फल मंडियों को बंद कर दिया। काजीगुंड और बनिहाल के बीच ट्रकों को अक्सर रोका जाता है।

प्रशासन ने सोमवार को सभी फलों के ट्रकों को हाईवे से हटाने के आदेश जारी किए। महबूबा मुफ्ती मंगलवार सुबह सेब उत्पादकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शोपियां पहुंचीं। उन्होंने यह जानने की मांग की कि अगर राजमार्ग की मरम्मत के नाम पर फलों के ट्रकों को रोका गया तो जम्मू से आवश्यक वस्तुएं घाटी में समय पर कैसे पहुंचेंगी।

मुफ्ती ने कहा, सेना के काफिले की आवाजाही की अनुमति देने से फलों के ट्रकों को रोकना कश्मीर के फल उद्योग को नुकसान पहुंचाना है। मैं आपसे (उपराज्यपाल मनोज सिन्हा) से आग्रह करती हूं और साथ ही चेतावनी देती हूं कि कश्मीरी लोगों के धैर्य की परीक्षा न लें ... ये लोग बहुत विनम्र हैं और उन्हें सड़कों पर आने के लिए मजबूर न करें, जिसके लिए सभी जिम्मेदारी प्रशासन पर आ जाएगी।

उन्होंने कहा,आपने कश्मीर घाटी को जेल में बदल दिया है। आप दावा कर रहे हैं कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है। मुझे बताओ, इन फल उत्पादकों का नुकसान कौन उठाएगा?

इलैक्ट्रिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई एण्ड मॉडल्स सहित ई.बी.एस. बना रही हैं। देश में करीब 4 मिलियन चार्जिंग यूनिट्स हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी हैं। दुनिया के शीर्ष 10 ई.वी. ब्रॉण्ड्स में से आधे चाइनीज़ हैं। जहां अन्य ई.वी. मार्केट्स अब भी अधिकतर सब्सिडीज़ पर आधारित हैं, वहीं चीन एक नए चरण में प्रवेश कर गया है। उपभोक्ता देश के सहयोग की अधिक परवाह ना करते हुए फीचर्स और कीमत के आधार पर इलैक्ट्रिक व्हीकल्स के गुण-दोष पर विचार कर रहे हैं।

पृष्ठभूमिः चीन के नेता शी जिनपिंग ने वर्ष 2014 में घोषणा की थी कि इलैक्ट्रिक व्हीकल्स का डवलपमैंट ही एक रास्ता है जिससे उनके देश का एक "ऑटोमोबाइल पावर" के रूप में रूपान्तरण हो सकता है। देश का इलैक्ट्रिक व्हीकल मार्केट अब अपने दम पर खड़ा है, लेकिन इसके लिए एक दशक से अधिक समय तक सब्सिडीज़ दी गईं, दीर्घकालीन निवेश किए गए और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर व्यय किया गया।

संदर्भः चीन की मंद अर्थव्यवस्था में, जो प्रॉपर्टी मार्केट के संकट और कोविड-19 की लचर नीतियों से जूझ रही है, इलैक्ट्रिक कार की डिमांड एक उम्मीद की किरण है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा